दैनिक
# भारत देश हमारा
मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी www.Bharatdeshhamara.com DAILY BHARAT DESH HAMARA PATIALA

**यात्रियों को बीच में उतारा**

लखनऊ, 12 अप्रैल (निस) सऊदी एयरलाइंस की जेद्दा जाने वाली फ्लाइट एसवी-893 से 54 यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर ही उतार दिया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक ये सभी यात्री लखनऊ से जेद्दा जा रहे थे। वहां से दुबई कनेक्टिंग फ्लाइट एसवी-588 से जाना था, लेकिन कनेक्टिंग फ्लाइट को अचानक रद्द कर दिया गया।

**मंदिर से आभूषण चोरी**

जोधपुर, 12 अप्रैल (निस) राजस्थान के जोधपुर जिला में एक मंदिर में बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। त्रिलोक चंद भारती मंदिर में अज्ञात चोरों ने देर रात सेंध लगाकर लाखों रुपये के चांदी के आभूषण और धार्मिक सामान चुरा लिया। पुलिस के अनुसार, यह वारदात 10 अप्रैल की रात करीब 12.30 बजे हुई।

रजिस्ट्रेशन नं. पीबी/पीटीए (0273)/2024-26 PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985 वर्ष 42 अंक 101 पटियाला सोमवार 13 अप्रैल 2026 मूल्य दो रुपए कुल पृष्ठ: 8 फोन : 0175-5061948, Posted at RMS Patiala E-mail:- bdhpatiala@gmail.com

### परमाणु एवं होर्मुज को लेकर वार्ता में पेंच फंसा

## इस्लामाबाद वार्ता विफल रही-ईरान ने नाकामी के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया

इस्लामाबाद, 12 अप्रैल (निस) अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गई है। इस पूरे विवाद और वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र स्ट्रेट ऑफ होर्मुज रहा है। युद्ध के बाद से ही इस सामरिक समुद्री मार्ग पर कड़ा पहरा है। राहत की बात यह रही कि वार्ता के बेनतीजा रहने के बावजूद शनिवार को इस मार्ग से कम से कम 16 जहाज गुजरे, जो युद्धविराम के बाद से अब तक का सबसे व्यस्त दिन दर्ज किया गया। दोनों देशों के बीच लंबे समय से जारी तनाव को कम करने के उद्देश्य से आयोजित इस बैठक में किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे पर आम सहमति नहीं

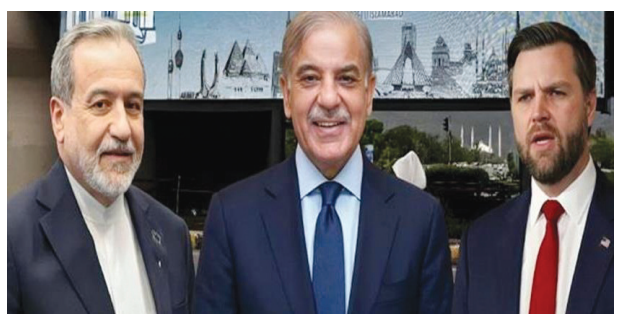

बन सकी। हालांकि यह वार्ता द्विपक्षीय थी, लेकिन वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता के लिहाज से पूरी दुनिया की निगाहें इस पर टिकी हुई थीं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी नौसेना के गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर यूएसएस फ्रैंक ई. पीटरसन और यूएसएस माइकल मर्फी इस क्षेत्र में पूरी तरह सक्रिय हैं। इन युद्धपोतों को विशेष रूप से ईरानी समुद्री बारूदी सुरंगों को हटाने और मार्ग को सुरक्षित करने के अभियान में लगाया गया है। निगरानी संस्था मैरीन ट्रैफिक ने पुष्टि की है कि अमेरिकी सुरक्षा घेरे में चीन, हांगकांग और लाइबेरिया के झंडे वाले तीन विशाल तेल टैंकरों को सफलतापूर्वक निकाला गया।दूसरी ओर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपने संबोधन में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने जैसे संवेदनशील विषय पर किसी भी गहरे मतभेद का जिक्र नहीं किया। गौरतलब है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग है, जहाँ से वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। इसका बंद होना वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए किसी बड़े संकट से कम नहीं है।इस गतिरोध को तोड़ने के लिए पाकिस्तान ने एक संयुक्त गश्त का प्रस्ताव भी पेश किया है। इस्लामाबाद में हुई इस सीधी बातचीत के दौरान पाकिस्तान ने सुझाव दिया **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

## सुरों की मल्लिका आशा भौंसले का निधन

## संगीत जगत में फैली शोक की लहर

### लंबी बीमारी व हृदयघात के बाद ली अंतिम सांस, पीएम मोदी सहित दिग्गज नेताओं ने जताया शोक

मुंबई, 12 अप्रैल (निस) भारतीय संगीत जगत के लिए एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। महान गायिका आशा भोसले का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि उनके शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था, जिसके चलते उनका निधन हो गया।जानकारी के अनुसार, बीती रात उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया था, जिसके बाद तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे पहले उनकी पोती जनाई भोसले ने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया था कि आशा भोसले को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और उनके फेफड़ों में संक्रमण था। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी दादी को

काफी कमजोरी महसूस हो रही है और उनका इलाज जारी है।

आशा भोसले का अंतिम संस्कार मुंबई के शिवाजी पार्क में किया जाएगा, जहां उनके चाहने वाले और संगीत जगत से जुड़े लोग उन्हें अंतिम विदाई देंगे। उनके निधन की खबर से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। आशा भोसले भारतीय संगीत की उन महान हस्तियों में से थीं, जिन्होंने अपने करियर में सात दशकों से अधिक समय तक सक्रिय रहकर संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्होंने करीब 12,000 से अधिक गीत गाए, जिनमें हिंदी के अलावा कई अन्य भारतीय और विदेशी भाषाओं के गीत भी शामिल हैं। उन्हें अपने अतुलनीय योगदान के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, फिल्मफेयर अवॉर्ड, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार और पद्म विभूषण शामिल हैं। उनकी आवाज और शैली ने उन्हें दुनिया के सबसे बहुमुखी और लोकप्रिय गायकों में शामिल किया। भारतीय संगीत जगत की दिग्गज हस्ती आशा भोसले ने अपने करियर में 12,000 से अधिक गीतों को अपनी आवाज दी। उनके गाए गीत जैसे दम मारो दम, पिया तू अब तो आजा और चुरा लिया है तुमने आज भी श्रोताओं के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। उनकी आवाज और बहुमुखी प्रतिभा ने उन्हें संगीत की दुनिया में एक खास पहचान दिलाई। आशा भोसले, प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक और रंगमंच कलाकार दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री और महान गायिका लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं।

**बिहार के कटिहार में भीषण सड़क हादसा, 13 मरे**

कटिहार, 12 अप्रैल (निस) बिहार के कटिहार जिले में शनिवार की शाम एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है, जहां नेशनल हाईवे-31 पर कोढ़ा ब्लॉक के समीप एक अनियंत्रित बस ने भारी तबाही मचाई। इस भीषण दुर्घटना में 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 27 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मृतकों में 10 महिलाएं और एक मासूम बच्ची शामिल है। बताया जा रहा है कि मरने वालों में 5 लोग एक ही परिवार के थे। मृतकों में से अधिकांश पूर्णिया जिले के निवासी थे, जो झारखंड के कठिया मेला धाम से दर्शन कर पिकअप से अपने घर लौट रहे थे। चश्मदीदों के अनुसार, तबाही का यह मंजर महज 50 सेकंड के भीतर घटित हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि बस का ड्राइवर शराब के नशे में धुत था और गाड़ी की रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटे से भी अधिक थी। पिकअप से टकराने से ठीक पहले तेज रफ्तार बस ने एक बाइक को रौंदा, जिससे उस पर सवार पिता-पुत्र की तत्काल मौत हो गई। इसके बाद बस ने सामने से आ रही पिकअप को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। टक्कर की आवाज इतनी भीषण थी कि स्थानीय लोगों को लगा जैसे कोई बम फटा हो। यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि जिस बस ने इस हादसे को अंजाम दिया, वह पिछले 5 वर्षों से अनफिट थी।

### रन फॉर अंबेदकर, रन फॉर संविधान का आयोजन

## आरएसएस व भाजपा की कोशिश नाकाम होगी-राहुल

नई दिल्ली 12 अप्रैल (निस) लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को दिल्ली में रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन मैराथन को हरी झंडी दिखाकर इसकी औपचारिक शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने बाबा साहेब को नमन करते हुए कहा कि आरएसएस और भाजपा की विचारधारा संविधान के मूल स्वरुप को बदलने की कोशिशे हो रहीं है। इसके लिए सतर्क रहने की जरुरत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि अंबेडकर के आदर्शों, उनके द्वारा रचित संविधान और उनकी दूरदर्शी सोच के प्रति हमें जागरूकता का प्रचार करना है।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह और युवाओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर को नमन किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बाबा साहेब का संदेश ही वास्तव में हमारे संविधान का मूल संदेश है और यही संविधान भारतीय लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव है। अपने संबोधन के दौरान राहुल गांधी ने केंद्र की सत्ताधारी पार्टी और आरएसएस पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस की विचारधारा से जुड़े लोग निरंतर संविधान और अंबेडकर की सोच को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह विचारधारा मूल रूप से समानता के अधिकार के खिलाफ है और वे नहीं चाहते कि देश के गरीब, दलित और पिछड़े वर्गों सहित सभी नागरिकों को बराबरी का हक मिले। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि आज संविधान पर चौतरफा हमले हो रहे हैं, इसलिए उनका एकमात्र लक्ष्य संविधान को बचाना, उसे और अधिक सशक्त बनाना और देश के हर कोने तक इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि भारत के प्रत्येक हिस्से में संविधान की भावना को **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

## बंगाल चुनाव प्रचार में भाजपा-टीएमसी नेताओं में तकरार तेज, बड़ी जीत हासिल करेंगे-भाजपा

कोलकाता 12 अप्रैल (निस): पश्चिम बंगाल की राजनीति में चुनावी माहौल के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए दावा किया है कि उनकी ही एक पुरानी अपील अब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के खिलाफ जा रही है। अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कि ममता बनर्जी ने पहले लोगों से कहा था कि अगर कोई उन्हें वोट डालने से रोके तो उसे झाड़ू दिखाएं। अब वही स्थिति उलट गई है और

जनता टीएमसी उम्मीदवारों को झाड़ू दिखाकर विरोध जता रही है। उन्होंने इसे अपनी ही बात का सटीक उल्टा असर बताते हुए कहा कि ऐसा कम ही देखने को मिलता है जब किसी नेता के शब्द उसी पर इस तरह भारी पड़ें। मालवीय ने अपने दावे के समर्थन में एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें एक ओर ममता बनर्जी जनसभा में उक्त बयान देती नजर आती हैं, जबकि दूसरे दृश्य में कथित तौर पर ग्रामीण लोग टीएमसी उम्मीदवार को झाड़ू दिखाकर विरोध कर रहे हैं। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी ममता बनर्जी पर हमला बोलते हुए उन्हें विक्टिम कार्ड खेलने का आरोप लगाया। उन्होंने आयोजित रैलियों में कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य की स्थिति खराब हुई है और भाजपा सत्ता में आने पर 'सिंडिकेट राज' को खत्म करेगी।

## कर्नाटक में सीएम के करीबी नेताओं पर एक्शन की तैयारी में कांग्रेस आलाकमान

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (निस) अल्पसंख्यक नेतृत्व के एकीकरण को लेकर कांग्रेस में तनाव बढ़ गया है। कहा जा रहा है कि पार्टी हाईकमान सीएम सिद्धारमैया के करीबी नेताओं की पार्टी विरोधी गतिविधियों से नाराज हैं। ऐसे में इन नेताओं पर पार्टी आलाकमान जल्द एक्शन ले सकता है। हाल ही में अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया था। अब सीएम के राजनीतिक सचिव नजीर अहमद को पद छोड़ने के लिए कहा गया है। शनिवार को सिद्धामैया और

हाईकमान के बीच देर रात तक कई दौर की बातचीत हुई।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाईकमान ने निर्देश दिया है कि दावणगेरे दक्षिण में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। सिद्धारमैया के करीबी सहयोगी और पूर्व जद(एस) नेता जमीर अहमद खान भी इस जांच के घेरे में आ गए हैं। इंटेलिजेंस विंग और एआईसीसी सचिव अभिषेक दत्त की दो अलग-अलग रिपोर्टों में जब्बार, नजीर अहमद **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

## बंगाल की जनता ममता से लूट का हिसाब लेगी, राज्य में परिवर्तन निश्चित, भाजपा जीतेगी-पीएम

**सिलीगुड़ी 12 अप्रैल (निस)** पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में जनसभा में पीएम मोदी ने अपने दौरे के दूसरे दिन रविवार को दावा किया कि चुनाव के बाद राज्य से टीएमसी का जाना तय है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सिलीगुड़ी में उनके रोड शो में जनता ने जिस तरह का समर्थन और स्नेह दिखाया, वह अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि आज की जनसभा टीएमसी की नींद उड़ाने वाली साबित होगी।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000

करोड़ रुपए खर्च किए, लेकिन राज्य के समग्र विकास पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि सरकार केवल अपने खास वोट बैंक के लिए काम कर रही है, जबकि आम जनता की जरूरतों को नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने पिछले 15 सालों में टीएमसी शासन के दौरान राज्य की स्थिति देखी है और अब समय आ गया है कि सरकार अपने कामकाज का हिसाब दे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जनता बदलाव चाहती है और बीजेपी इस बदलाव का माध्यम बनेगी। पीएम मोदी ने दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी जिलों की सभी विधानसभा सीटों पर बीजेपी उम्मीदवारों के लिए समर्थन और वोट की अपील भी की।

## चुनाव में फायदा उठाने के लिए भाजपा महिला आरक्षण विधेयक पर बेचैन-खड़गे

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (निस) कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरकार महिला आरक्षण संशोधन और लोकसभा में सीटें बढ़ाने की बिल जल्दबाजी में ला रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान संसद सत्र बुलाना अचार संहिता का उल्लंघन है। बिल को जल्द पास कराना चाहती है सरकार, ताकि आने वाले विधानसभा चुनावों में इसका फायदा ले सके। दिल्ली में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की इस मुद्दे पर बैठक हुई। इसमें खड़गे ने कहा कि अब तक सरकार की

ओर से कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं मिला है। जानकारी सिर्फ पीएम मोदी के लेटर के जरिए सामने आई है। लंबे समय तक चुप रहने के बाद अब अचानक इस मुद्दे पर सक्रियता दिखाई जा रही है। सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक संसद का सत्र बुलाया है। संविधान संशोधन बिल लाने की तैयारी है। सरकार महिलाओं को 33फीसदी आरक्षण देने के साथ लोकसभा और विधानसभा सीटों में 50फीसदी तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव ला सकती है।

## पंजाब केबिनेट ने बेअदबी रोकने एवं सजा को सख्त बनाने के लिए संशोधन को मंजूरी दी

चंडीगढ़, 12 अप्रैल (निस)पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में मंत्रिमंडल ने आज 'जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक-2026' में सख्त संशोधनों को मंजूरी दे दी है। इन संशोधनों के तहत श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पवित्रता और सम्मान बनाए रखने तथा बेअदबी के दोषियों को कड़ी सज़ा देने के लिए उम्रकैद तक का प्रावधान किया गया है। यह संशोधन विधेयक सोमवार को पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र में पेश किया जाएगा। यह फैसला आज यहां मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते समय में श्री गुरु ग्रंथ साहिब और अन्य पवित्र ग्रंथों की बेअदबी की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनसे लोगों की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है और समाज में अस्थिरता का माहौल पैदा हुआ है। हालांकि भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 298, 299

और 300 ऐसे मामलों से निपटती हैं, लेकिन इनमें दोषियों के खिलाफ कठोर सज़ा का पर्याप्त प्रावधान नहीं है।गहन विचार-विमर्श और व्यापक सलाह-मशवरे के बाद भगवंत सिंह मान सरकार ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पवित्रता की रक्षा करने और समाज में आपसी सम्मान, भाईचारे तथा सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्णय लिया है। इन अपराधों की गंभीरता को देखते हुए और धार्मिक पवित्रता तथा सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से मंत्रिमंडल ने 'जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार अधिनियम-2008' में संशोधन करने का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रस्तावित 'जगत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक-2026' में बेअदबी के दोषियों के लिए उम्रकैद सहित सज़ाओं को और कड़ा किया गया है।

यह प्रस्तावित कानून दुर्भावनापूर्ण तत्वों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई सुनिश्चित करेगा और पंजाब में शांति, कानून-व्यवस्था तथा सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

**मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, 21 अवैध बंकर नष्ट और 13 आईईडी बरामद**

इंफाल, 12 अप्रैल (निस) मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद और अवैध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। राज्य के उखरुल जिला में 21 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया गया, जबकि अलग-अलग अभियान में तेंगनौपाल जिला से 13 आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई हाल ही में हुई उस घटना के बाद की गई है, जिसमें एक बीएसएफ जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी अभियान तेज कर दिया है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि शनिवार को उखरुल जिले के अंतर्गत लिटान पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आने वाले सिकिबुंग गांव में सुरक्षा बलों ने 14 अवैध बंकरों को ध्वस्त किया। इसके अलावा मोंगकोट चेपु इलाके में सात अन्य बंकरों को भी नष्ट किया गया।

### औद्योगिक क्रांति लाकर भाजपा ने तस्वीर बदली...

## हरियाणा स्टार्टअप्स मामले में देश में सातवां राज्य निर्यात के मामले में सर्वाधिक योगदान-सैनी

चंडीगढ़ 12 अप्रैल (के.के.संधू): हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने औद्योगिक समूहों और निवेशकों से राज्य के तेजी से विकसित हो रहे फूड प्रोसेसिंग सेक्टर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में विस्तार कर रहे लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम, इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) पार्क और अन्य क्षेत्रों में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया। TiECon चंडीगढ़ समिट 2026 में 12 देशों और 27 राज्यों से आए उद्यमियों और उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने एक अत्यंत अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार किया है, जहां निवेशकों का विश्वास बढ़ता है और उद्यमियों को भरपूर अवसर मिलते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग

को बढ़ावा देने के लिए प्रक्रियाओं को लगातार सरल बना रही है, जिसमें डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता और जवाबदेही पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।हरियाणा ने विभिन्न क्षेत्रों की प्रगति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि फूड प्रोसेसिंग उद्योग देश और प्रदेश में तेजी से विस्तार कर रहा है, लगभग 28,000 इकाइयां पहले ही स्थापित हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अभी भी अपार संभावनाएं मौजूद हैं। लॉजिस्टिक्स के संदर्भ में उन्होंने बताया कि हरियाणा राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे स्थान पर है और उत्तर भारत में पहले स्थान पर है, जहां लगभग 57 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र NCR में आता है, जिसे एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने ईवी सेक्टर में निवेश को भी प्रोत्साहित किया, जहां एक प्रगतिशील नीति के तहत अनेक प्रोत्साहन और सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था से उत्पादन और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। इस परिवर्तन में हरियाणा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि जो राज्य पहले मुख्य रूप से कृषि और पारंपरिक उद्योगों के लिए जाना जाता था, वह अब नवाचार, स्टार्टअप्स और तकनीकी प्रगति का केंद्र बनकर उभरा है।उन्होंने कहा कि हरियाणा स्टार्टअप पॉलिसी के तहत सरकार युवाओं को वित्तीय सहायता, मार्गदर्शन, बुनियादी ढांचा और बाजार तक पहुंच प्रदान कर रही है। गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला और हिसार जैसे शहर स्टार्टअप हब के रूप में तेजी से उभर रहे हैं, विशेष रूप से आईटी, एग्री-टेक, फिनटेक, हेल्थ-टेक और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों में। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हरियाणा स्टार्टअप्स की संख्या के मामले में 7वां सबसे बड़ा राज्य है, जहां 9,500 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स हैं, जिनमें से लगभग 50 प्रतिशत महिला-नेतृत्व वाले हैं।

# सम्पादकीय

## जस्टिस वर्मा के इस्तीफे पर उठ रहे सवाल

जस्टिस यशवंत वर्मा ने कैश कांड विवाद और जांच के बीच ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल मार्च 2025 में उनके दिल्ली आवास में आग लगने और जले हुए नोटों के बंडल मिलने के बाद से ही यह मामला सुर्खियां बटोर रहा है। हाल के घटनाक्रम में जस्टिस यशवंत वर्मा का राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को इस्तीफा न्यायपालिका और राजनीति के जटिल संबंधों पर एक बार फिर देश मे नई बहस को जन्म दे दिया है। खास बात यह है कि उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव संसद में लंबित है, इसी बीच उनका इस्तीफा सामने आ गया है। यह स्थिति कई संवैधानिक और नैतिक सवाल खड़े कर रही है। क्या यह इस्तीफा महाभियोग की प्रक्रिया से बचने के लिए जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिया है? यशवंत वर्मा ने अपने इस्तीफा में कोई कारण नहीं बताया है। उनका कहना है यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। भारतीय संविधान में न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया बेहद कठोर और दुर्लभ है। महाभियोग के माध्यम से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को हटाने की गंभीर संसदीय प्रक्रिया है। जिसमें जज के खिलाफ आरोपों की जांच और दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में यदि कोई न्यायाधीश महाभियोग से पहले ही इस्तीफा दे देता है, तो यह प्रक्रिया स्वत: समाप्त हो जाती है। यशवंत वर्मा के इस्तीफे से उनकी पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठने लगे हैं। उनकी स्थिति के बाद अब आरोपों की सत्यता तथा उनके घर से जो जले हुए नोट बरामद हुए थे। उसकी वास्तविकता सार्वजनिक रूप से कभी सामने नहीं आ पायेगी। जब राज्यसभा में महाभियोग का प्रस्ताव पेश हुआ था उस समय के उप राष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति को रातों-रात इस्तीफा देना पड़ा था। सरकार को शक था। इस मामले में पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ ने बिना सरकार को बताए, जो कार्रवाई की उससे सरकार नाराज हो गई थी। जो उनके इस्तीफा का कारण बनी। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा भी उसी संदर्भ से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि उनके मामले में परिस्थितियाँ और संवैधानिक स्थिति भिन्न थीं। लेकिन जिस तरीके से उन्होंने अपने स्वास्थ्य कारणों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था, वह सत्य नहीं था। जस्टिस वर्मा के इस्तीफा के बाद यह साबित हो गया है। उपराष्ट्रपति का इस्तीफा सरकार के दबाव में हुआ था। अब इस्तीफे की बातें छन-छन कर सामने आ रही हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का पद न्यायिक स्वतंत्रता का प्रतीक होता है। दोनों की तुलना एक दूसरे से करना उचित नहीं है। फिर भी समय और परिस्थितियों के कारण राजनीतिक अटकलें लगना स्वाभाविक है।

यह भी उल्लेखनीय है, इस तरह का घटनाक्रम लोकतंत्र की संस्थाओं और उनमें बैठे हुए लोगों के प्रति आम जनता के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। इस तरह की घटना से जनता को संदेश जाता है, उच्च पदों पर बैठे लोग अपनी जवाबदेही से बच सकते हैँ। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा लोकतंत्र के लिए एक चिंताजनक संकेत है। आवश्यक हो जाता है, ऐसी स्थितियों में स्पष्ट नियम और ऐसी प्रक्रिया विकसित की जाए, जिसमे इस्तीफे के बाद भी आरोपों की निष्पक्ष जांच हो सके। जांच में यदि आप सत्य पाए जाएं तो सजा के प्रावधान भी होने चाहिए। यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि संस्थागत जवाबदेही का है। न्यायपालिका की गरिमा और संसद की सर्वोच्चता दोनों को संतुलित रखने के लिए संसद को इस तरह के नियम कानून बनाने होंगे, जो न्यायपालिका और जजों की न्याय को लेकर पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, फैसलों की समीक्षा होने तथा गड़बड़ी होने पर कार्यवाही की जा सके, तभी जनता का न्याय पालिका पर विश्वास मजबूत होगा। जिस तरह से जजों के ऊपर तरह-तरह के आरोप लग रहे हैं, न्याय पालिका की साख को बचाने के लिए निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही होनी ही चाहिए। तभी लोकतंत्र की नींव मजबूत होगी। न्याय पालिका के कामकाज में सुधार होगा। न्याय पालिका की साख बढ़ेगी। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जिस तरह से न्याय पालिका के ऊपर आरोप लग रहे हैं, उसके लिए स्वतंत्र जांच जरूरी है। यह जाँच संसद भी कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट भी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराकर न्याय पालिका की साख को बढ़ाने का काम करे। आम आदमी को वर्तमान परिदृष्य को देखते हुए यही अपेक्षा है।

# किशोर आक्रामकता एवं हिंसा पर अंकुश लगाने की पहल जरुरी

**– ललित गर्ग**

भारतीय किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में किशोरों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। बदलते समय के साथ समाज के व्यवहार में आई यह हिंसक तीव्रता और आक्रामकता अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सबसे चिंताजनक प्रभाव किशोर पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना ज्यादा परेशान करने वाला है। हाल के वर्षों में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की संख्या और उनकी क्रूरता ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गया, बल्कि यह सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्यों, शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रभावों के गहरे संकट का संकेतक बन चुका है। दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में मात्र चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की नृशंस हत्या, जिसमें तीन किशोरों ने बेरहमी से चाकू घोंपे और चौथा उसका वीडियो बनाता रहा, इस विकृति का भयावह उदाहरण है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि संवेदनाओं के क्षरण, नैतिकता के पतन और कानून के भय के समाप्त हो जाने का प्रतीक है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर किशोरों में यह दुस्साहस और हिंसात्मक प्रवृत्ति कहां से जन्म ले रही है? वस्तुत:, किशोर अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे कई परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिनका विश्लेषण आवश्यक है। सबसे पहला और प्रमुख कारण है पारिवारिक संरचना का विघटन। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची और अन्य सदस्यों के सान्निध्य में नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक मर्यादाओं का सहज प्रशिक्षण मिलता था। आज एकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता और समयाभाव के कारण बच्चों के साथ संवाद का अभाव हो गया है। परिणामस्वरूप, किशोर अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान बाहर ढूंढते हैं, जो कई बार उन्हें गलत दिशा में ले जाता है।दूसरा महत्वपूर्ण कारण है डिजिटल और सोशल मीडिया का अनियंत्रित प्रभाव। इंटरनेट ने जहां



ज्ञान के द्वार खोले हैं, वहीं अपराध, हिंसा और अश्लीलता से भरी सामग्री भी किशोरों के लिए सहज उपलब्ध कर दी है। फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी धारावाहिकों में हिंसा को जिस प्रकार ग्लैमराइज किया जाता है, वह किशोर मन को प्रभावित करता है। वे अपराध को एक साहसिक कार्य या रोमांच के रूप में देखने लगते हैं। कई बार वे यह भूल जाते हैं कि वास्तविक जीवन में इसके गंभीर और जीवन विनाशक घातक परिणाम होते हैं। तीसरा पहलू शिक्षा व्यवस्था का है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और रोजगार तक सीमित हो गया है। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षकों की भूमिका भी अब मार्गदर्शक की बजाय केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करने तक सीमित हो गई है। विद्यालयों में अनुशासन और संवाद का जो वातावरण होना चाहिए, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता भी किशोरों को प्रभावित कर रही है। जब वे अपने आसपास छोटे-छोटे विवादों में लोगों को हिंसक होते देखते हैं, तो यह उनके लिए सामान्य व्यवहार बन जाता है। राजनीति, मीडिया और सामाजिक जीवन में बढ़ती कटुता और टकराव की प्रवृत्ति किशोरों के मन में भी उसी प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करती है। किशोर अपराधों के पीछे एक और गंभीर कारण है आपराधिक गिरोहों द्वारा उनका उपयोग। चूंकि कानून में किशोरों के लिए अपेक्षाकृत नरमी होती है, इसलिए अपराधी गिरोह उन्हें अपने कार्यों के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी किशोरों को अपराध की ओर धकेलती है। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी, लूट और यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर अपराध करने से भी नहीं हिचकते।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि किशोर न्याय से जुड़े कानूनों का लचीलापन कई बार अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। गंभीर अपराधों में संलिप्त होने के बावजूद किशोरों को शीघ्र रिहा कर दिया जाता है, जिससे उनमें कानून का भय समाप्त हो जाता है। इस संदर्भ में यह बहस भी समय-समय पर उठती रही है कि गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों के लिए वयस्कों जैसा दंड प्रावधान होना चाहिए या नहीं? हालांकि केवल कानून को कठोर बनाना ही समाधान नहीं है। समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं और इसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले परिवार को अपनी भूमिका को पुन: समझना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर ध्यान देना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना अत्यंत आवश्यक है। माता-पिता को यह समझना होगा कि केवल भौतिक सुविधाएं प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय और संस्कार देना अधिक महत्वपूर्ण है। दूसरे, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल और व्यवहारिक प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल ज्ञान प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है ताकि किशोर अपनी समस्याओं को साझा कर सकें। तीसरे, मीडिया और मनोरंजन उद्योग को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझनी होगी। हिंसा और अपराध को महिमामंडित करने के बजाय सकारात्मक और प्रेरणादायक सामग्री का निर्माण किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कंटेंट की निगरानी और नियंत्रण को सख्ती से लागू करना होगा। चौथे, पुलिस और प्रशासन को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय, अपराध की रोकथाम पर अधिक ध्यान देना होगा। समुदाय आधारित पुलिसिंग, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम और किशोरों के साथ संवाद जैसी पहलें प्रभावी हो सकती हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं।

# सोशल मीडियाः जब मानव ही उत्पाद बनकर रह गया

**– दीपक द्विवेदी**

कभी कहा जाता था मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। उसका जीवन प्रकृति की लय पर चलता था। वह पंचतत्वों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश से बना था और इन्हीं में लौट जाने की विनम्रता उसके भीतर थी। उसके सुख-दुःख ऋतुओं की तरह आते-जाते थे, और उसके संबंध नदी के जल की तरह बहते थे, स्वाभाविक, जीवंत और स्पर्श से भरे हुए। उस समय मनुष्य का अस्तित्व उसके रिश्तों से परिभाषित होता था, न कि उसकी प्रोफाइल से। वह अपने पिता की आवाज़ में, माँ के स्पर्श में, मित्र के कंधे पर रखे हाथ में और गाँव की चौपाल में अपनी पहचान पाता था।

परन्तु धीरे-धीरे समय बदला। औद्योगिक क्रांति आई, पूँजीवाद आया, और मनुष्य का मूल्य उसके श्रम से मापा जाने लगा। वह सामाजिक प्राणी से अधिक आर्थिक प्राणी बन गया। उसका समय बिकने लगा, उसकी मेहनत बिकने लगी, और उसके श्रम से लाभ कमाया जाने लगा।

आज डिजिटल युग में, परिवर्तन और भी गहरा हो गया है। अब केवल मनुष्य का श्रम ही नहीं, बल्कि उसका स्वयं उसकी पहचान, उसकी भावनाएँ, उसके रिश्ते, उसकी कहानियाँ भी बाजार का हिस्सा बन चुके हैं।

डिजिटल दुनिया का अदृश्य खनन आज का मनुष्य सुबह उठते ही अपने फोन को देखता है। वह सोचता है कि वह दुनिया से जुड़ रहा है। परन्तु सच यह है कि उसी क्षण से उसका खनन शुरू हो चुका होता है। हर डिजिटल कंपनी उसकी हर गतिविधि पर नज़र रख रही है , उसकी तस्वीर , उसकी उम्र , उसका पहनावा , उसकी मुस्कान और उसकी उदासी , उसके मित्र , उसकी बातचीत , उसकी पसंद और उसकी आदतें आदि यह सब केवल जानकारी नहीं है, यह डिजिटल खदान से निकाला गया कच्चा माल है। मनुष्य सोचता है कि वह इन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग कर रहा है, परन्तु वास्तविकता में वह स्वयं एक उत्पाद बन चुका है।

जैसे खदान से कोयला या हीरा निकाला जाता है, वैसे ही डिजिटल दुनिया से मनुष्य की पहचान और उसका व्यवहार निकाला जा रहा है।

भीड़ के बीच अकेला मनुष्य

आज यदि कोई व्यक्ति अपने दु:ख - सुख को सोशल मीडिया पर साझा करता है, तो हजारों लोग लाइक करते हैं, कमेंट करते हैं, संवेदना व्यक्त करते हैं। परन्तु क्या कोई हाथ उसके कंधे पर रखा जाता है? क्या कोई आँख उसकी आँखों में देखकर कहती है मैं तुम्हारे साथ हूँ? डिजिटल दुनिया में उसके पास हजारों लोग उसके पास हैं, परन्तु वास्तविक जीवन में वह अक्सर अकेला है। उसकी डिजिटल दुनिया सुंदर है,चमकदार, रंगीन, आकर्षक है, परन्तु उसके भीतर एक खालीपन है, एक मौन है, जिसे कोई एल्गोरिदम नहीं समझ सकता।

जब पहचान डेटा बन गई

एक समय था जब मनुष्य की पहचान उसके व्यक्तित्व से होती थी। आज उसकी पहचान एक एल्गोरिदमिक प्रोफाइल बन गई है। उसकी खरीदारी, उसका क्रेडिट स्कोर, वह क्या देखता है, क्या खाता है, कहाँ जाता है, यह सब मिलकर एक डिजिटल मनुष्य का निर्माण करते हैं। यदि वह एक फिटनेस ऐप डाउनलोड करता है, तो वह सोचता है कि वह अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख रहा है, परन्तु उसी समय उसकी नींद का समय, उसकी लोकेशन, उसकी आदतें सब रिकॉर्ड हो रही हैं। निजता अब बंद कमरे की दीवार नहीं रही; वह एक पारदर्शी काँच बन गई है, जिसके आर-पार सब कुछ दिखाई देता है।

**कहानियाँ- नया व्यापार**

आज कोई भी घटना चाहे वह कितनी ही व्यक्तिगत क्यों न हो कुछ ही मिनटों में पूरी दुनिया तक पहुँच सकती है। उसकी हर कहानी की एक कीमत है। आज कहानियाँ ही नया व्यापार हैं। इसे स्टोरी इकॉनमी कहा जा सकता है। जितनी अधिक आपकी दृश्यता बढ़ती है, उतना ही आपका डिजिटल मूल्य बढ़ता है। आप धीरे-धीरे एक व्यक्ति से अधिक एक डेटा पैकेज बन जाते हैं।

**मशीन और मनुष्य के बीच धुंधली होती रेखा**-अब इस कहानी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी प्रवेश कर चुकी है। आज,ढ्ढ आधारित प्रणालियाँ जैसे ष्द्धड्डह्लतक्क्ष , तक्रश्द्म और अन्य डिजिटल सहायक आपसे बात कर सकते हैं, आपको समझ सकते हैं, आपको सलाह दे सकते हैं। अब तो क्लॉउड़े कोवर्क के आने से अब मानव शायद कुछ करने की आवश्यकता ही न पड़े। अब पहचान केवल जन्म से नहीं, बल्कि प्रदर्शन से तय होने लगी है। सोशल मीडिया ने एक नया सत्य स्थापित कर दिया है, दिखना ही अस्तित्व है।

**प्रसारण बन गया जीवन**

इन्फ्लुएंसर अपनी जिंदगी साझा करते हैं। लोग लाइक और फॉलो के लिए अपनी निजी बातें सार्वजनिक करते हैं। धीरे-धीरे पहचान प्रदर्शन बन जाती है , ध्यान मुद्रा ( करेंसी ) बन जाता है, दर्शक बाजार बन जाते हैं और जीवन एक निरंतर प्रसारण बन जाता है।

**सबसे बड़ा विरोधाभास**

यह डिजिटल दुनिया एक अवसर भी है। यह मनुष्य को अपनी कला, अपने विचार और अपनी पहचान को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का अवसर देती है। परन्तु यह एक खतरा भी है क्योंकि अब उसकी हर गतिविधि रिकॉर्ड हो रही है।

# पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता -पर्दे के पीछे कौन

**सौरभ वार्ष्णेय**

पाकिस्तान की धरती पर अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता केवल एक कूटनीतिक घटना नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया और मध्य-पूर्व की बदलती भू-राजनीति का संकेत है। यह पहल ऐसे समय में सामने आई है जब क्षेत्र लगातार तनाव, प्रॉक्सी युद्धों और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। ऐसे में पाकिस्तान का मध्यस्थ के रूप में उभरना कई महत्वपूर्ण संदेश देता है। सबसे पहले, यह पाकिस्तान के लिए अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने का अवसर है। लंबे समय तक आतंकवाद, राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक संकट से जूझने वाला पाकिस्तान अब खुद को एक जिम्मेदार और शांति-स्थापक देश के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है। यदि वह अमेरिका और ईरान जैसे कट्टर विरोधियों को बातचीत की मेज पर ला पाता है, तो यह उसकी कूटनीतिक सफलता मानी जाएगी। दूसरी ओर, यह अमेरिका की रणनीतिक लचीलापन को दर्शाता है। अमेरिका लंबे समय से ईरान पर दबाव की नीति अपनाता रहा है, लेकिन बदलते वैश्विक समीकरण—खासतौर पर चीन और रूस के बढ़ते प्रभाव—ने उसे बातचीत के रास्ते पर विचार करने के लिए प्रेरित किया है। पाकिस्तान को मंच के रूप में चुनना इस बात का संकेत है कि अमेरिका क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए नए रास्ते तलाश रहा है।

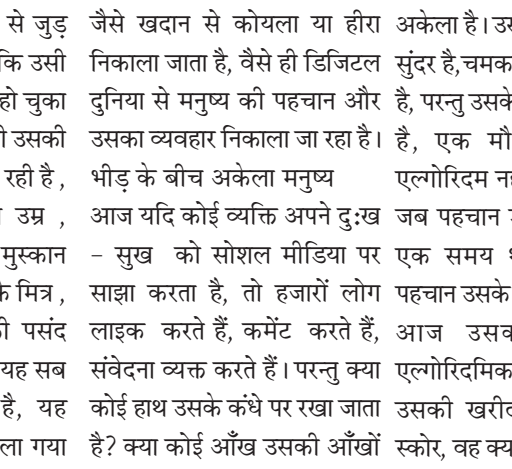



ईरान के लिए भी यह वार्ता राहत का संकेत हो सकती है। आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव से जूझ रहा ईरान यदि बातचीत के जरिए कोई रास्ता निकालता है, तो उसकी अर्थव्यवस्था और वैश्विक संबंधों में सुधार संभव है। पाकिस्तान के साथ उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध इस प्रक्रिया को सहज बना सकते हैं। हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया के पीछे बड़ी शक्तियों का खेल भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चीन, जो पाकिस्तान का करीबी सहयोगी है, इस वार्ता में अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वह क्षेत्र में स्थिरता चाहता है ताकि उसकी आर्थिक परियोजनाएं, जैसे बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव, सुरक्षित रह सकें।

फिर भी, चुनौतियां कम नहीं हैं। अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास गहरा है, और किसी भी समझौते तक पहुंचना आसान नहीं होगा। इसके अलावा, इज़रायल और खाड़ी देशों की प्रतिक्रिया भी इस प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। पाकिस्तान में होने वाली यह शांति वार्ता केवल दो देशों के बीच संबंध सुधारने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक क्षेत्रीय संतुलन बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो न केवल मध्य-पूर्व बल्कि दक्षिण एशिया में भी स्थिरता और शांति की नई उम्मीद जगेगी।

शांति वार्ता सफल होती है तो आगे क्या?

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बीच यदि शांति वार्ता सफल होती है, तो यह केवल दो देशों के रिश्तों में सुधार भर नहीं होगा, बल्कि वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर इसके दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे। यह एक ऐसे मोड़ की शुरुआत हो सकती है, जहां टकराव की जगह संवाद और सहयोग को प्राथमिकता मिले। सबसे पहला असर पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) की स्थिरता पर पड़ेगा। वर्षों से यह क्षेत्र युद्ध, प्रतिबंधों और प्रॉक्सी संघर्षों का केंद्र रहा है। शांति समझौते के बाद यमन, सीरिया, इराक और लेबनान जैसे देशों में चल रहे तनाव कम हो सकते हैं। ईरान समर्थित गुटों और अमेरिकी सहयोगी देशों के बीच टकराव में कमी आएगी, जिससे क्षेत्र में स्थिरता और शांति की संभावना बढ़ेगी।

दूसरा बड़ा प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दिखेगा। ईरान पर लगे प्रतिबंध हटने या कम होने की स्थिति में वह खुलकर तेल निर्यात कर सकेगा। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की आपूर्ति बढ़ेगी और कीमतों में गिरावट आ सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों को इसका सीधा लाभ मिलेगा, जिससे महंगाई पर नियंत्रण और आर्थिक विकास को गति मिल सकती है। तीसरा महत्वपूर्ण पहलू परमाणु कार्यक्रम का है। यदि शांति वार्ता के तहत ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने पर सहमत होता है, तो यह परमाणु प्रसार को रोकने की दिशा में एक बड़ी सफलता होगी। इससे इज़रायल और खाड़ी देशों की सुरक्षा चिंताएं भी कम होंगी और क्षेत्र में हथियारों की होड़ पर अंकुश लग सकता है। हालांकि, इस शांति प्रक्रिया के सामने चुनौतियां भी कम नहीं होंगी। इज़रायल जैसे देश ईरान पर पूरी तरह भरोसा करने को तैयार नहीं होंगे। वहीं, अमेरिका के भीतर भी राजनीतिक मतभेद सामने आ सकते हैं, जहां कुछ वर्ग ईरान के साथ समझौते का विरोध करेंगे। ईरान के भीतर कट्टरपंथी धड़े भी इस समझौते को कमजोर करने की कोशिश कर सकते हैं।इसके अलावा, चीन और रूस जैसे वैश्विक शक्तियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। यदि अमेरिका-ईरान संबंध सामान्य होते हैं, तो इन देशों के साथ ईरान के समीकरणों में भी बदलाव आ सकता है, जिससे वैश्विक शक्ति संतुलन पर असर पड़ेगा।

यह कहा जा सकता है कि अमेरिका-ईरान शांति वार्ता की सफलता एक नए भू-राजनीतिक युग की शुरुआत कर सकती है। लेकिन यह सफलता तभी टिकाऊ होगी, जब दोनों देश आपसी विश्वास बनाए रखें और समझौते की शर्तों का ईमानदारी से पालन करें। शांति केवल समझौते से नहीं, बल्कि निरंतर संवाद और सहयोग से ही संभव है।

**( लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)**

## विशाल भगवती जागरण मंडल द्वारा 21वां सामूहिक विवाह उत्सव, पांच कन्याओं के हाथ पीले

**घरौंडा, 12 अप्रैल ( सतीश कुमार पंडित ):** सामाजिक सेवा और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाते हुए सनातन धर्म मंदिर घरौंडा में विशाल भगवती जागरण मंडल द्वारा 21वां सामूहिक विवाह उत्सव धूमधाम और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर

पांच जरूरतमंद कन्याओं का विवाह विधिवत संपन्न कराया गया, जिससे मंदिर परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल बना रहा। मंडल के प्रधान हरबंस लाल चूघ ने जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्था द्वारा आयोजित 21वां सामूहिक विवाह उत्सव है। उन्होंने कहा कि मंडल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का सम्मानपूर्वक विवाह कराना है, ताकि समाज में सहयोग और सेवा की भावना को बढ़ावा मिल सके। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सुशील कुमार जैन ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि इस प्रकार के सामाजिक कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक होते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से जरूरतमंदों को सहायता मिलती है और समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। इस मौके पर अनिल कुमार गर्ग और अनिल जैन ने भी नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं दीं और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे और इस पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी निभाई। मीडिया प्रभारी सनी बजाज ने बताया कि विशाल भगवती जागरण मंडल को मिलने वाले चढ़ावे का उपयोग जरूरतमंद कन्याओं के विवाह में किया जाता है। उन्होंने कहा कि संस्था आगे भी इसी प्रकार समाज सेवा के कार्य करती रहेगी। यह आयोजन एक बार फिर साबित करता है कि सामूहिक प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

## इको-फ्रेंडली वीक के अंतर्गत पौधों की सफाई एवं सिंचाई (पानी देने) का कार्यक्रम उत्साहपूर्वक किया गया आयोजित

**मूनक, 12 अपैल ( जयभगवान ):** आर्य कन्या गुरुकुल, मोर माजरा में इको-फ्रेंडली वीक के अंतर्गत आज पौधों की सफाई एवं सिंचाई

(पानी देने) का कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने फल उद्यान में लगे पौधों की निराई-गुड़ाई की तथा उन्हें नियमित रूप से पानी देकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा हरियाली को बनाए रखने के महत्व को समझाना था इसके साथ ही फलों की खेती के माध्यम से हम रोजगार कैसे प्राप्त कर सकते हैं प्रमुख गतिविधि रही । छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और परिसर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने में अपना योगदान दिया। गुरुकुल के प्रधान सुखबीर सिंह मान ने अपने संदेश में कहा कि प्रकृति की सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। ऐसे कार्यक्रम छात्रों में सकारात्मक सोच विकसित करते हैं और उन्हें पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। इस अवसर पर गुरुकुल प्रबंधन समिति के प्रधान सुखबीर सिंह मान , सचिव ओमप्रकाश अन्य गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे और उन्होंने छात्राओं के इस प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों को निरंतर जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

## मुल्तानी सभा ने 107 साल पहले अमृतसर में बैसाखी पर्व पर शहीद हुए शहीदों की शहादत को याद किया

**नीलोखेड़ी, 12 अप्रैल ( सुरेश कुमार मिड्ढा ):** मुल्तानी सभा नीलोखेड़ी ने बजरंग सेवा दल बारात घर में बैसाखी का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया ।हाल ही में सभा के गठन के पश्चात सभा ने पहली बार बैसाखी का पर्व जोशो-खरोश और उत्साह के साथ मनाया ।कार्यक्रम में नीलोखेड़ी की समस्त मुल्तानी बिरादरी ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में 9 अप्रैल 1919 को अमृतसर में बैसाखी के पर्व पर शहीदों की शहादत को याद किया गया। अंग्रेजी हुकूमत के जनरल डायर को कायर का दर्जा दिया गया। मुल्तानी सभा के प्रवक्ता सुनील कटारिया ने बिरादरी के लोगों को सभा के गठन के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि बिरादरी के लोगों को एक सूत्र में पिरोना सभा का मुख्य उद्देश्य है। इसके अलावा समय के अनुसार मुल्तानी भाषा लुप्त होती जा रही है। मुल्तानी भाषा को बढ़ावा दिया जाएगा। बिरादरी के रीति रिवाजों को पुन: स्थापित किया जाएगा। समुदाय के बच्चों के चरित्र का निर्माण किया जाएगा। बच्चों को नशें की कूरीतियों से दूर रखा जाएगा। बच्चों की शिक्षा पर जोर दिया जाएगा और उनको रोजगार दिलाने में सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त समाज के पिछड़े परिवारों की हर संभव सहायता दी जाएगी। कार्यक्रम में ममता ने मुल्तानी भाषा से संबंधित प्रश्न पूछे । शकुन्तला आहूजा ने मुल्तानी भाषा में कविता सुनाई जबकि आकाश ने 1919 मे जलियांवाला बाग में जनरल डायर के आदेश पर गोलियां मे वीर गति को प्राप्त हुए शहीदों को याद किया। पहेलियों में केवल कृष्ण वधवा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिलाओं की फेवरिट गेम मयूजीकल चैयर का आयोजन किया गया। पंजाबी विकास सभा के अध्यक्ष लवली कुकरेजा ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए ।मंच का संचालन ममता व अंजना अरोड़ा ने किया। पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर दीनानाथ जुनेजा,बेला राम,ज्ञान चंद गाबा, भगवान दास कमल कुमार,दुलार राम तथा महिला कलावती सहित अनेक? महिलाओ को सम्मानित किया गया।

# भाजपाई धोखा और मौसम की मार, हरियाणा के किसानों पर मुसीबतें अपार : आदित्य सुरजेवाला

### कहा : एमएसपी पर गेहूँ-सरसों की खरीद में जानबूझकर पेचीदगियाँ, अड़चने और प्रक्रियागत बाधाएं पैदा कर किसानों की फसल लूटने की घिनौनी साजिश

**कैथल, 12 अप्रैल ( सुरेंद्र कुमार ):** कैथल से कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला ने कैथल की अनाज मंडी का दौरा किया। किसानों को आ रही दिक्कतें और उठान ना होने पर भाजपा सरकार पर हमला बोला। आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा की नायब सैनी सरकार और केंद्र की मोदी सरकार किसानों की रबी फसलों, खासकर गेहूँ और सरसों की एमएसपी पर खरीद को चोर-दरवाजे से खत्म करने का क्रूर षडयंत्र रच रही हैं। तीन काले कृषि कानूनों को किसान आंदोलन के दबाव में मजबूरन वापस लेने के बाद अब ये सरकारें 'मेरी फसल, मेरा ब्यौरा' पोर्टल के नाम पर नई-नई उलझने, बायोमेट्रिक अड़ंगे, ट्रैक्टर-ट्रॉली फोटो अपलोड, समय प्रतिबंध और अन्य अव्यावहारिक शर्तें थोपकर किसानों को मंडियों तक पहुँचने से पहले ही निराश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह 'तुगलकी फरमान' असल में छोटे-सीमांत किसानों, भूमिहीन पट्टेदार किसानों, ट्रैक्टर-ट्रॉली न रखने वाले किसानों और उन परिवारों के लिए

मुसीबत बन गया है जो दिन-रात खेतों में मेहनत करते हैं। भाजपा सरकार का मकसद साफ है खरीद टारगेट घटाओ, उठान रुकवाओ, स्टोरेज की कमी पैदा करो और किसानों को मजबूर करके औने-पौने दामों पर फसल बेचने को विवश करो। आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि किसान व मजदूर के साथ साथ आढ़तियों पर भी भाजपा सरकार ने प्रहार किया है।कांग्रेस सरकार में आढ़तियों को आधार 2.50व मिलती थी जो आज भाजपा की इस क्रूर सरकार ने आढ़त को कम कर दिया है। आज खरीदी गई फसल का उठान न होने के कारण आढ़तियों को गेहूं का दोगुना स्टॉक रखना पड़ रहा है, मंडियों में जाम लगा हुआ है और किसानों को 11 दिन बाद भी भुगतान नहीं मिल पा रहा है। सबसे विडंबना की बात है कि उठान के लिए आज तक टेंडर ही नहीं लगाया गया है। गेंहू की आवक तेजी से बढ़ रही है। लेकिन किसान - मजदूर और आढ़ती को परेशानी और तंग करने का यह भाजपाई तरीका मंडियों को खत्म करने की साजिश का पर्दाफाश कर रहा है। आदित्य सुरजेवाला ने भाजपा सरकार द्वारा थोपी गई मुख्य पेचीदगियाँ और किसानों के सवाल का जिक्र करते हुए कहा कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पर नंबर लिखकर गेट पर फोटो खींचना और पोर्टल पर अपलोड-हर किसान के पास अपना ट्रैक्टर-ट्रॉली नहीं होता। हरियाणा में 85व से अधिक किसान ट्रैक्टर मालिक नहीं हैं। किराए पर ट्रॉली लाने पर अलग-अलग नंबर कैसे स्वीकार होंगे? कमर्शियल वाहनों को फसल ढुलाई की अनुमति नहीं है, तो किराए के ट्रैक्टर-ट्रॉली पर चालान क्यों नहीं होता? क्या सरकार पूरे हरियाणा के ट्रैक्टर-ट्रॉली को फसल ढुलाई का परमिट देगी? मंडी में फसल बेचने के लिए इतनी अनावश्यक पेचीदगियाँ क्यों? बायोमेट्रिक अंगूठा लगाना अनिवार्य- किसान खेत में रहकर कटाई करवाता है। परिवार या मजदूर फसल मंडी ले जाते हैं। हर बार किसान को खेत छोड़कर मंडी आना पड़ेगा तो कटाई कैसे होगी? खेतों में काम करने वाले मजदूरों और बुजुर्ग किसानों के अंगूठे घिसकर धुंधले हो जाते हैं — बायोमेट्रिक फेल हो जाता है। इंटरनेट खराब होने या पोर्टल में गड़बड़ी पर फसल कैसे बिकेगी?

पट्टेदार यानी ठेके पर जमीन लेकर खेती करने वाले किसानों की दुर्दशा- हरियाणा में आधे से ज्यादा किसान अपनी जमीन के मालिक नहीं हैं, बल्कि पट्टे यानी ठेके पर खेती करते हैं। अगर जमीन मालिक मंडी न आए तो पट्टेदार किसान की फसल कैसे बिकेगी? अगर एक किसान 15 बार फसल बेचता है और मालिक नहीं आता, तो क्या होगा । आउटपास (एग्जिट पास) के लिए 3 अधिकारियों के दस्तखत- मार्केट कमिटी सचिव, खरीद एजेंसी अधिकारी और उठान ट्रांसपोर्टर — तीनों के हस्ताक्षर अनिवार्य। अगर इनमें से कोई भी मौजूद न हो या दस्तखत न करे, तो फसल मंडी से बाहर नहीं जा सकेगी। नतीजा — उठान रुक जाएगा और नई फसल मंडी में आने से रुक जाएगी।

आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि इन पेचीदगियों के अलावा भाजपा ने गेहूँ खरीद का टारगेट 80 लाख टन से घटाकर 72 लाख टन कर दिया गया, जबकि 9.50 लाख किसानों ने 48.12 लाख एकड़ रकबे का पंजीकरण किया है। बारदाने की भारी कमी है। जरूरत 2.80 लाख गांठ, उपलब्ध मात्र 1.20 लाख गांठ हैं। मेरी फसल, मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर 20 लाख एकड़ रकबे का डेटा मिसमैच अभी तक ठीक नहीं किया गया। ये सारी बाधाएं इसलिए पैदा की जा रही हैं ताकि किसानों की फसल एमएसपी पर न खरीदी जाए।उन्होंने कहा कि मौसम की मार और सरकारी लूट ने किसान-मजदूर और आढ़तियों के साथ विश्वासघात किया है। बेमौसम बारिश, आंधी और ओलावृष्टि से गेहूँ की फसल को औसतन 50व तक और सरसों को 70व तक नुकसान पहुंचा है।

हरियाणा सरकार

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन

पंचायत से पार्लियामेंट तक

निर्णय में नारी, नव भारत की तैयारी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश को संबोधित करेंगे

दिनांक
13 अप्रैल, 2026

समय
प्रातः 11:00 बजे

स्थान
विज्ञान भवन, नई दिल्ली

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़ पर

वेबकास्ट :
pmindiawebcast.nic.in

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

हरियाणा प्रदेश की मातृशक्ति, बहनों एवं युवतियों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम से जुड़ें।

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा

www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

# बच्चों को स्कूल के टिफिन में फास्टफूड देने से बचें

बच्चों के टिफिन में न दे ये चीजें अगर आप भी अपने बच्चों को लंच में रोज आलू का पराठा या सैंडविच-पास्ता देकर उसके पोषण का ध्यान रख रही हैं तो आप गलत हैं। बच्चों के विकास के लिए स्कूल लंच में इन चीजों को न दें। इससे बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ने लगता है।

**आलू पराठा**--सुबह नाश्ते में अधिकतर परिवारों में आलू का पराठा बनाकर खाया जाता है। आलू का पराठा पेट तो भर देता है लेकिन कार्बोहाइड्रेट और वसा से भरपूर होता है। जिससे बच्चों में फाइबर और प्रोटीन की कमी पैदा हो सकती है। इसके अलावा यह पचाने में भी भारी होता है, जिससे बच्चे सुस्ती महसूस कर सकते हैं।

सैंडविच--सैंडविच बनाने के लिए जरूरी चीजों में सफेद ब्रेड, मक्खन, आलू और चीज की जरूरत पड़ती है। जो पोषण की कमी पैदा कर सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि सफेद ब्रेड, जिसे मैदा से बनाया जाता है, में फाइबर की कमी होती है। जो बच्चों के बार-बार भूख लगने और मोटापे का कारण बन सकता है।

मीठे स्नैक्स--चॉकलेट, कैंडी, कुकीज, केक, मिठाइयां जैसी चीजें स्कूल लंच में पैक करके ना दें। इस तरह की चीजों में चीनी की मात्रा अधिक होने से दांतों की सड़न और एनर्जी लेवल लो हो सकता है। जिससे बच्चे को जल्दी थकान महसूस हो सकती है।

**मसालेदार खाना**

बच्चे के लंच में स्पाइसी फूड जैसे मसालेदार चटनी, तीखी सब्जियां, मिर्ची वाले स्नैक्स भी पैक ना करें। जरूरत से ज्यादा मसाले बच्चों के पेट को नुकसान पहुंचाकर उनके लिए स्कूल में असुविधा पैदा कर सकते हैं।

मैगी--मैगी या इंस्टेंट नूडल्स के लिए प्यार, बच्चों से लेकर बड़ों में भी देखा जा सकता है। लेकिन सुबह की पहली मील में मैगी का सेवन, सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इसमें मौजूद प्रिजर्वेटिव, सोडियम और मैदा बच्चों के पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है। शुरुआत से पढ़ाई की और ध्यान दें बच्चे का सबसे पहला विद्यालय उसका घर और सबसे पहले गुरु उसके माता-पिता होते हैं। शिशु शुरुआती अवस्था में अपने माता-पिता से ही सारी क्रियाएं सीखता है और अपना ज्ञान अर्जित करता है। माता-पिता न सिर्फ बच्चों को अच्छी शिक्षा देते हैं बल्कि सही-गलत की पहचान कराते हुए बच्चों का स्वर्णिम भविष्य बनाने का भी काम करते हैं। बच्चे माता-पिता का मार्गदर्शन पाकर सभी कठिनाईयों पर विजय पाते हुए अपने सपने को साकार करते हैं। दरअसल माता-पिता के व्यवहार और क्रियाओं का उनके बच्चों पर सीधा प्रभाव पड़ता है। यदि घर में कुछ गलत होता है तो बच्चे गलत सीखते हैं। इसी तरह यदि घर का वातावरण सही होता है तो बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलती है। इसलिए सबसे पहले माता-पिता की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता के रूप में आप जैसा करेंगे, आपके बच्चे वैसा ही सीखने की कोशिश करेंगे। यदि आप अपने बच्चे के भविष्य को सुंदर बनाना चाहते हैं, अपने सपनों को सच कर दिखाना चाहते हैं तो यह बहुत जरूरी है कि आप बच्चों के लिए एक रोल मॉडल बनें। बच्चों के सामने स्वयं एक बेहतर उदाहरण बनें ताकि इसका सकारात्मक प्रभाव आपके बच्चे पर पड़े। आइए जानते हैं कि माता-पिता के रूप में आप साधारण बातों को भी किस तरह से बेहतर बना सकते हैं और बच्चों के लिए एक रोल मॉडल बन सकते हैं।

शुरुआती स्कूल है घर

बच्चों के पहले शिक्षक माता-पिता होते हैं- जन्म के बाद शिशु लगातार माता-पिता के साथ रहकर बोलना, खाना, पीना, खेलना, लिखना या अन्य गतिविधियां सम्पन्न करना सीखता है। छोटे बच्चे के लिए यह एक औपचारिक विद्यालय जैसा होता है। इसी तरह बच्चा जब थोड़ा बड़ा या युवा होता है तब वह घर में माता-पिता को एक दूसरे को सहयोग करते देखता है। पिता को घर के बाहर के कार्यों को निपटाते हुए माता का सहयोग करते देखकर बच्चों में मदद करने की भावना का निर्माण होता है। इससे बच्चे घर के कार्यों में माता की मदद करना सीखते हैं। वास्तव में किसी भी बच्चे के लिए यह पाठ सामाजीकरण का प्रथम चरण माना जाता है। इसलिए माता-पिता को घर में एक कोच जैसी भूमिका निर्वाह करनी चाहिए। आप घर में जो भी कार्य करें उसे पूरी तरह सुव्यवस्थित ढंग से करें।

एक-दूसरे के साथ बातचीत में सम्मानसूचक शब्दों का इस्तेमाल करें।

ऐसा व्यवहार करने की कोशिश करें जो घर में शांति स्थापित कर और शिशु के मानसपटल पर अच्छा प्रभाव डाले। शिशु को घर की बातों के साथ-साथ घर के बाहर होने वाली अच्छी बातों की सीख देने की कोशिश करें।

# बच्चों को दवा देते समय पूरी सावधानी बरतें

बच्चों को दवा देते समय पूरी सावधानी रखनी चाहिये नहीं तो वे बार बार बीमार पड़ेंगे। अक्सर जब आपके बच्चे बीमार पड़ते हैं तब आप उसे डॉक्टर के पास लेकर जाते हैं, और डॉक्टर के द्वारा गई दवाओं और उनके दिशा-निर्देशों का पालन करते हैं। इसके बाद भी कभी-कभी अभिभाव कुछ गलतियां कर बैठते हैं जिसका नुकसान आपके बच्चे को भुगतना पड़ता है। दरअसल जब बच्चे बीमार होते हैं तब आप सोचते हैं कि वह कितनी जल्दी ठीक हो जाएं, और वह हो भी जातें हैं।

जब आप डॉक्टर के द्वारा दी गई दवा का पूरा खुराक या कोर्स पूरा नहीं करते हैं, तब वह बच्चों में जल्दी और दुबारा बीमार होने के कारण को पैदा करता है।

कई मामलों में ज्यादातर अभिभावक बच्चोंव को बीमारी से आराम आते ही दवा खिलाना बंद कर देते हैं क्योंकि, उन्हें लगता है कि अब बच्चे ठीक हो गए हैं तो ज्यादा दवा देना सही नहीं है लेकिन, कई बार ऐसी चीजें गलत हो जाती हैं, क्योंकि जब आप दवा के कोर्स को अधूरा छोड़ देती हैं तो परिणाम यह होता है कि बच्चेब फिर से बार-बार बीमार पड़ने लगते हैं।

हालाँकि, इन मामलों में डॉक्टरों का मानना है कि बच्चेा को दवा की पूरी खुराक नहीं देना ही बच्चोंा के बार-बार बीमार पड़ने की वजह होती है।

ऐसे में हमेशा दवाई की पूरी डोज दें

संक्रमण का खतरा--जब आप किसी भी दवा की खुराक पूरा नहीं करती हैं तब इस तरह के संक्रमण का खतरा रहता है क्योंकि, जब तक बच्चे के शरीर में दवा का असर रहता है तब तक वो ठीक रहते हैं और जैसे ही आप दवा बंद करती हैं वैसे ही संक्रमण दुबारा से शरीर पर हमला बोल देते हैं। इसलिए डॉक्टर के अनुसार आप दवा की पूरी खुराक अपने बच्चे को दें।

बीमारी जड़ से नहीं मिटती है--यह बिल्कुल सच है कि जब आप डॉक्टचर द्वारा बताई गई दवा का कोर्स पूरा नहीं करती हैं तब बीमारी जड़ से खत्म नहीं होती है। कुछ मामलों में बच्चे ठीक होने की बजाय और अधिक बीमार होने लगते हैं। अक्सर आपने देखा होगा कि हर दवाई का एक खुराक होता है, जिसे पूरा करने पर ही वह शरीर में असर करता है। इसलिए डॉक्टर हमेशा डोज को ध्यान में रख कर ही किसी को दवा लिखते हैं, क्योंकि उन्हें पता होता है कि कौन से दवा का कितना डोज दिया जाना चाहिए हालाँकि, अभिभावक बच्चों को दवाई देने और बंद करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें क्योंकि, आपकी एक गलती बच्चों के लिए हानिकारक साबित हो सकती है।

# बच्चे की ट्यूशन समय इन बातों पर ध्यान दें

आजकल बेहतर भविष्य के लिए प्रतिस्पर्धा के इस दौर में जब आपका बच्चा बड़े क्लास में पहुँचता है तो उसके लिए ट्यूशन या कोचिंग करना आवश्यक हो जाता है ,ऐसे समय अपने बच्चे को ही इस बात से अवगत करा दे की वह अपना ध्यान खुद रखें अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार केर दे की उसे क्या पढाई करना है। आप अपने बच्चे को बेहतर बनाने के लिए उसकी हर मुश्किल आसान करते है। जब आप किसी विषय को समझाने में मुश्किल का सामना करते है तो ट्यूशन का सहारा लेते है लेकिन ट्यूशन पढ़ते समय बच्चा अकेले ही होता है, इसलिए आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा। अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार केर दे की उसे क्या पढाई करना है।

उसके साथ ले जाने वाली किताब कॉपी सही से रखें।

एक माता-पिता होने के नाते आपकी जिम्मेदारी बनती है कि पता करे कि ट्यूशन टीचर आपके बच्चे को ठीक से पढ़ा रहे है या नहीं। कभी- कभी ट्यूशन टीचर लापरवाही बरतने लगते है , समय- समय पे यह पता करते रहना चाहिए की कही वे समय तो नहीं बिता रहे है। यदि ऐसा है तो पहले उस टीचर से बात करनी चाहिए, संतुष्टि न मिलने पर टीचर बदल देना चाहिए। कुछ समय के बाद यह अवश्य पता करे की बच्चे को जो पढ़ाया जा रहा है वह सही है या नहीं क्योकि एक बार गलत जानकारी मिलने पर बच्चे की दिशा ही बदल जाएगी और बच्चा दिग्भर्मित हो जायेगा। टीचर का बच्चे पर बहूत प्रभाव पड़ता है ।जब तक बच्चा छोटा है तब तक माँ ही उसकी टीचर है, उससे अच्छा कोई उसे पढ़ा नहीं सकता है ।यदि समय की कमी हो तभी अपने बच्चे को ट्यूशन पढ़ने भेजे अन्यथा नहीं। वहीं जब आपका बच्चा बड़े क्लास में पहुँचता है तो उसके लिए ट्यूशन या कोचिंग करना आवश्यक हो जाता है ,ऐसे समय अपने बच्चे को ही इस बात से अवगत करा दे की वह अपना ध्यान खुद रखें। उसे बतायें कि लापरवाही से उसका भविष्य ही खराब होगा।

# बच्चों की इन आदतों को कतई नजरअंदाज न करें

बचपन इंसान की जिंदगी की नींव होती है। एक बच्चा अपने बचपन में किस तरह का व्यवहार सीखता है उसका प्रभाव उसकी पूरी जिंदगी पर पड़ता है। । कई बार अभिभावक बच्चों की कुछ छोटी-छोटी गलत आदतों को ये सोचकर नजरअंदाज कर देते हैं कि बड़ा होने पर वो सुधर जाएगा पर यही लापरवाही आगे चलकर बच्चे के व्यवहार पर को खराब कर देती है। इसलिए इन आदतों की अनदेखी न करें।

**बड़ों से बदतमीजी करना**

कई बच्चे अपने से बड़ों से बात करते समय शिष्टाचार का ध्यान नहीं रखते। वे चिल्लाकर बोलते हैं या उल्टा जवाब देते हैं। बच्चे की ये आदत बहुत ही खराब होती है। जब कोई बच्चा अपने माता-पिता, दादी-दादा या किसी और बड़े से बदतमीजी करता है, तो लोग अभिभावकों की परवरिश पर सवाल उठाने लगते हैं। सबको लगता है कि घर में ही बच्चे को ऐसे संस्कार सिखाए जा रहे हैं। ऐसे में ये जरूरी है कि बच्चे को बड़े और छोटे दोनों का लिहाज करना सिखाया जाए।

नकल करना या मजाक उड़ाना

बच्चे अक्सर किसी की चाल, बोलने के ढंग की नकल करते हैं। जब तक यह नकल पॉजिटिव तरीके से की जाती है, तो ठीक रहती है। लेकिन बच्चे अगर किसी का मजाक उड़ाने लगें, किसी की कमजोरियों की नकल करने लगें, तो ये बदतमीजी होती है। बच्चों की इस हरकत की वजह से अभीभावकों को शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। इसलिए बच्चे अगर इस तरह की हरकत करें तो उन्हें प्यार से समझाएं कि किसी का मजाक उड़ाना गलत है और हर किसी का सम्मान करना चाहिए।

झूठ बोलने की आदत-अगर बच्चा बार-बार झूठ बोलने लगे, तो ये बहुत ही खराब आदत है। यूं तो शुरू में ये आदत खेल-खेल में या किसी डांट से बचने के लिए होती है, लेकिन अगर बच्चे को समय रहते समझाया ना जाए तो बच्चा धीरे-धीरे इसे सही समझने लगता है। ऐसा बच्चा स्कूल, दोस्तों और रिश्तेदारों के बीच भरोसेमंद नहीं रहता। बच्चा जब झूठ बोलने लगता है तो इसका असर परिवार की इमेज पर भी पड़ता है। इसलिए बच्चे को सच बोलना सिखाना बहुत जरूरी है, चाहे इसके लिए थोड़ी सख्ती ही क्यों ना करनी पड़े।

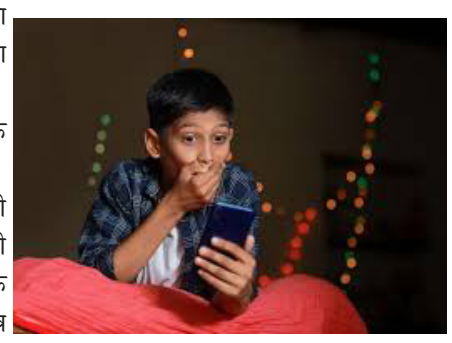

**मोबाइल के अधिक उपयोग से हो सकते हैं कई गंभीर रोग**

लंबे समय तक मोबाइल इस्तेमाल करने से न केवल हमारी आंखें थकती हैं, बल्कि शरीर के कई हिस्सों में गंभीर समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। विज्ञान के अनुसार, मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से कमर दर्द, गर्दन और कंधों में तनाव, स्पॉन्डिलाइटिस और रीढ़ की हड्डी की समस्याएं बढ़ रही हैं। इसे टेक नेक या स्मार्टफोन सिंड्रोम भी कहा जाता है।

जब हम लंबे समय तक फोन को झुककर देखते हैं, तो हमारी रीढ़ की हड्डी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियों में खिंचाव, जोड़ों में दर्द और हड्डियों की कमजोरी तक हो सकती है। स्पॉन्डिलाइटिस एक ऐसी समस्या है, जिसमें रीढ़ की हड्डी के जोड़ों में सूजन आ जाती है। मोबाइल फोन का लगातार झुककर इस्तेमाल करने से यह खतरा बढ़ता है। खासकर युवा और किशोर वर्ग में यह समस्या तेजी से फैल रही है। लोग लंबे समय तक मोबाइल पर गेम खेलते हैं, वीडियो देखते हैं या सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। जिससे मांसपेशियों और हड्डियों पर लगातार दबाव पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति कमर और गर्दन के गंभीर दर्द में बदल सकती है।

मोबाइल फोन के लगातार उपयोग से केवल कमर या गर्दन ही नहीं, बल्कि हमारी आंखें भी प्रभावित होती हैं। मोबाइल स्क्रीन की नीली रोशनी आंखों की रेटिना और रोशनी पर असर डाल सकती है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों में जलन, सूखापन, धुंधला दिखना और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मोबाइल का अत्यधिक उपयोग केवल शारीरिक स्वास्थ्य को ही नहीं प्रभावित करता, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि मोबाइल का उपयोग सीमित समय के लिए करें और स्क्रीन को आंखों की ऊंचाई पर रखें। लंबे समय तक फोन का इस्तेमाल करते समय बीच-बीच में ब्रेक लें और स्ट्रेचिंग करें। सही मुद्रा में बैठना बहुत जरूरी है, पीठ सीधी और कंधे आराम से रखने चाहिए। इसके अलावा, नीली रोशनी को कम करने वाले ऐप्स या स्क्रीन फिल्टर्स का इस्तेमाल करना आंखों को सुरक्षित रखने में मदद करता है।

# महापंडित राहुल सांस्कृत्यायनः भारतीय ज्ञान परंपरा के धावक

**- कुमार कृष्णन**

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...एक ऐसा व्यक्तित्व जिन्होंने 20वीं सदी में भारतीय ज्ञान परंपरा को विश्व पटल पर पुनर्जीवित किया। 09 अप्रैल को उनका जन्म हुआ था। महापंडित राहुल सांकृत्यायन (1896-1963) न केवल एक अथक यात्री थे, बल्कि एक विपुल लेखक भी थे जिन्होने 13 साल की उम्र में पहली बार घर छोड़कर अपनी यात्रा शुरु की। उन्होंने यात्रा वृतांत को साहित्यिक रूप दिया इसलिए राहुल सांकृत्यायन को हिंदी यात्रा साहित्य का जनक कहा जाता है। उन्होंने अपने जीवन के 45 वर्ष अपने घर से दूर अन्वेषण में बिताए। अपने जीवन के विभिन्न चरणों में राहुल सांकृत्यायन एक वैष्णव मठ के महंत, किसान आंदोलन कारी, बौद्ध भिक्षु, स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी थे। हालांकि उनका सबसे बड़ा योगदान अपनी यात्राओं के माध्यम से भारत और तिब्बत के बीच प्राचीन संबंधों को फिर से उजागर करना और प्रचुर सामग्री भारत वापस लाना था। मिन्हाजू सिराज ने अपनी पुस्तक तबकात -ए-नासरी में 12वीं शताब्दी के अंत में नालंदा, विक्रमशिला और उदवंतपुरी के प्राचीन विश्वविद्यालयों के विध्वंश का वर्णन किया है। मुख्य रूप से बौद्ध शाक्य सम्प्रदाय के मठों में संग्रहित कई अमूल्य पांडुलिपियों को तिब्बत से वापस लाए। इन ग्रन्थों को पलायनकारी भिक्क्षु अपने साथ तिब्बत ले गए थे। तिब्बत के मौसम ने यह सुनिश्चित किया कि ये प्रकृति की अनिश्चितताओं से नष्ट न हो ।महापंडित ने संस्कृत, पाली और अन्य भाषाओं में दुर्लभ पांडुलिपियों को प्राप्त करने के लिए तिब्बत में लगातार चार अभियानों का नेतृत्व किया और उनके प्रयासों ने बुद्ध की शिक्षाओं को पुनर्जीवित किया जो विलुप्तता के कगार पर थीं। अपने प्रयासों से वह न केवल इन दुर्लभ हिंदू और बौद्ध ग्रंथो की प्रतियां वापस लाए बल्कि उपमहाद्वीप की भूली हुई विरासत और इतिहास पर भी प्रकाश डाला।

राहुल सांकृत्यायन ने स्वयं पाली सीखी और बौद्ध ग्रंथ मध्यम निकाय का अध्ययन किया जिसमें बौद्ध प्रवचनों का वर्णन है। राहुल सांकृत्यायन के अनुसार, तिब्बत की उनकी यात्राएं अच्छे और बुरे दोनों अनुभवों से पूर्ण थी। जहां उन्होंने भारी कठिनाइयों का सामना किया, वहीं कुछ अनुभव बहुत अच्छे थे। उन्हें प्राचीन ताड़ के पत्तों की पांडुलिपियों के साथ-साथ भारतीय शैली की अमूल्य स्क्रॉल पेंटिंग भी मिली। 1926 में राहुल जी ने अपनी पहली तिब्बत यात्रा ज्यादातर पैदल तय की। उस यात्रा में उनका साथी केवल एक कुत्ता था। तिब्बत की उनकी बाद की यात्राओं में घोड़े तथा खच्चर यात्रा के साधन थे। उन्होंने लिखा है कि उनके पास जो पैसे थे उनमें से ज्यादातर यात्रा खर्च के लिए भी पर्याप्त नहीं थे। वह आगे लिखते हैं कि उन्हें कभी दूसरों से पैसा उधार लेना पसंद नहीं था, लेकिन तिब्बत में उन्हें इस व्यक्तिगत प्रवृत्ति को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। 1933-34 में अपनी दूसरी यात्रा के दौरान उन्होंने अपने उल्लेखनीय साथी, मित्र, दार्शनिक, कलाकार और भिक्षु 'गेदुन चोफेल' से मुलाकात की। राहुलजी के अनुसार तिब्बत एक सुनहरा पुल था जिस पर वे एक-दूसरे से मिले थे। उनकी दोस्ती पारस्परिक सम्मान पर आधारित थी और दोनों ने एक-दूसरे की सोच और दृष्टिकोण को प्रभावित किया। वह गेदुन चोफेल को लेकर भारत वापिस लौटे जिसे तिब्बती विद्वान ने अपने सपने का साकार होना बताया।भारत और तिब्बत के बीच के प्रगाढ़ संबंधों को उजागर करना है। उनकी तिब्बत से 22 खच्चर भर लाई गई पांडुलिपियां अनमोल हैं।महापंडित ने अपने गांव के स्कूल में केवल उर्दू का अध्ययन किया था, लेकिन 30 से अधिक भाषाओं में स्व-शिक्षित थे और 12 से अधिक में पारंगत थे। उन्होंने यात्रा वृतांत से लेकर उपन्यास तक 140 से अधिक ग्रंथ लिखे। उनका सबसे बड़ा योगदान आम जनता के लिए प्राचीन बौद्ध ग्रंथों का सरल हिंदी में अनुवाद करना रहा, जिससे यह सर्वसुलभ हो गया। उन्होंने तिब्बती-हिन्दी शब्दकोश भी लिखा। मूल बौद्ध सिद्धांतों को पढ़ने के लिए उन्होंने स्वयं पाली सीखी। बाद में वे श्रीलंका गये जहां उन्होंने संस्कृत पढ़ाई ।राहुल सांकृत्यायन द्वारा लाई गईं अधिकांश पांडुलिपियां काशी प्रसाद जायसवाल संस्थान, पटना में संरक्षित हैं। श्री जयसवाल स्वयं एक प्रसिद्ध इतिहासकार और वकील थे जिन्होंने महापंडित को उनकी यात्राओं के वित्तपोषण और पांडुलिपियों के अनुवाद में सहायता की ।राहुल सांकृत्यायन को साहित्य अकादमी और पद्म भूषण सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया । उन्होंने त्रिपटक ग्रंथ का गहन अध्ययन किया और उन्हें 'त्रिपटकाचार्य' की उपाधि दी गई । उनकी रचनाएं मुख्य रूप से हिंदी में हैं, जिसके कारण अंग्रेजी भाषी अभिजात वर्ग द्वारा इसे नजरअंदाज कर दिया गया है। उनके समकालीन ज्ञानी उन्हें विलक्षण प्रतिभा का धनी मानते थे। पं. जवाहर लाल नेहरू ने कहा था, 'मैं केवल एक ही राहुल को जानता हूं जो विलक्षण हैं।'हमारा देश वर्तमान में 'सांस्कृतिक पुनरुद्धार' पर की ओर अग्रसर है। हमें महापंडित जैसे लोगों का अध्ययन करने और उनके योगदान से सीखने की जरूरत है। राहुल सांकृत्यायन ने जनमानस की चेतना से मिटाए गए ग्रंथों को फिर से खोजा। उनका लेखन भारत और तिब्बत के बौद्ध संबंधों और विरासत को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है ।महापंडित का जीवन 'चरैवेति -चरैवेति' वाक्यांश में समाहित है, जिसका अर्थ है निरंतर चलते रहो। 'बदलाव' भी उनके जीवन का उपयुक्त वर्णन होगा। राहुल सांकृत्यायन भारतीय ज्ञान तथा परंपरा के प्रतीक हैं जिसे पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। उन्होंने अपना समय एवं ऊर्जा, हमारे प्राचीन ग्रंथों और संस्कृति के अध्ययन की पुन: खोज और उनके माध्यम से भारत और तिब्बत के बीच के संबंधों को और भी प्रगाढ़ करने में समर्पित किया जिसके लिये वह साधुवाद के भागी हैं ।करीब 100 साल पहले राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाई गई विश्व प्रसिद्ध पांडुलिपियां आज भी अपने पूर्ण संरक्षण और अनुवाद की प्रतीक्षा कर रही हैं। यह धरोहर न केवल धार्मिक है, बल्कि प्राचीन भारत-चीन और तिब्बत संबंधों का सबसे बड़ा ऐतिहासिक प्रमाण भी है ।राहुल सांकृत्यायन ने वर्ष 1929 से 1938 के बीच चार बार तिब्बत की दुर्गम यात्राएं की थीं। उन यात्राओं के दौरान उन्होंने मठों और गांवों का सघन सर्वेक्षण कर करीब 10 हजार ग्रंथ एकत्र किए थे। इस विशाल संग्रह का मुख्य हिस्सा उन्होंने बिहार एंड ओडिशा रिसर्च सोसाइटी, पटना को सौंपा था, जबकि दुर्लभ पांडुलिपियों का एक विशेष हिस्सा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण दिल्ली को दिया गया।

# आईएमए की ओर से वॉकथॉन का आयोजन

## बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाएगी एचपीवी वैक्सीन-कल्याण

## बोले-स्वास्थ्य व विकास के लिए जागरूकता जरूरी

**करनाल, 12 अप्रैल (सुमनलता):** हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि स्वास्थ्य के साथ-साथ विकास और व्यवस्था के प्रति भी लोगों को जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में सरकार की ओर से लॉन्च की गई एचपीवी वैक्सीन बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाएगी। बेटियों को इसे समय पर लगवाना चाहिए। कल्याण आज आईएमए की स्थानीय इकाई की ओर आयोजित वाकथॉन के शुभारंभ मौके पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से वॉकथॉन का आयोजन करनाल क्लब से सिविल अस्पताल तक किया गया। इसमें आईएमए के सदस्यों के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस मौके पर कल्याण ने महत्त्वपूर्ण पहल के लिए आयोजकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर से बेटियों को बचाने के लिए पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने वैक्सीन लॉन्च की थी। वॉकथॉन के आयोजन के पीछे सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने से उनके बेहतर परिणाम सामने आते हैं। समाज में विकास व व्यवस्थाओं की मजबूती के साथ-साथ जागरूकता भी जरूरी है। जीवन में जब नागरिक जागरूक होकर आगे बढ़ेंगे तो निश्चित रूप से उनकी सामाजिक कार्यों में भागेदारी बढ़ेगी। इससे समाज व राष्ट्र को फायदा होगा। इस मौके पर आईएमए के प्रधान डा. सलील गुप्ता ने कहा कि बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए सरकार ने जो पहल की है उसका एसोसिएशन समर्थन करती है। देश से हर साल एक से डेढ़ लाख महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर से जान चली जाती है। एक छोटे से प्रयास से इन्हें बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन का कोई दुष्प्रभाव नहीं है। मेयर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि बेटियों को सुरक्षा प्रदान करने व उन्हें स्वस्थ रखने के लिए सरकार की पहल का वे स्वागत करती हैं। बेटियों से आह्वान किया कि वे समय पर वैक्सीन लगवाएं। सरकार विकास के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य की ओर भी ध्यान दे रही है। वॉकथॉन में नर्सिंग विद्यार्थियों के अलावा जेसीआई एजिल, जेसीआई करनाल ई-लाईट, भारत विकास परिषद सूरज शाखा, माधव शाखा, जेसीआई करनाल, वैश्य भवन चैरिटेबल ट्रस्ट, रोटरी क्लब, एनआईएफ के सदस्यों ने भी भाग लिया। इस मौके पर सीएमओ डा. पूनम चौधरी के अलावा आईएमए प्रधान डा. सलील गुप्ता, महासचिव डा. कुनाल खन्ना, वित्त सचिव डा. आशुतोष मित्तल, संयुक्त सचिव डा. निधि दहिया व डा. पारूल महला भी मौजूद रही।

# महात्मा ज्योतिबा फुले ने सामाजिक न्याय व समानता की लड़ाई लड़ी : कंवरदीप सैनी

**बाबैन, 12 अप्रैल (राजेश कुमार):** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कंवरदीप सैनी ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा समानता, सामाजिक न्याय और हर वर्ग को बराबरी का अधिकार दिलाने के लिए शुरू की गई ऐतिहासिक लड़ाई को आज विपक्ष के नेता राहुल गांधी आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में न्याय और अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करना हम सभी का कर्तव्य है, ताकि समाज में वास्तविक बराबरी सुनिश्चित की जा सके। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कंवरदीप सैनी ने ये विचार इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित सत्यशोधक महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य समारोह में शामिल होने के बाद बाबैन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम में ओ बी सी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर देशभर से अनेक वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उपस्थित रहे, जिन्हें स्वयं कंवरदीप सैनी ने सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर के राजू, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एस ई सैल के चेयरमैन राजेंद्र पाल गौतम, केबिनेट मंत्री पूनम प्रभाकर, उत्तर प्रदेश से सांसद राकेश राठौर, राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र बघेल, राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल तथा राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। कंवरदीप सैनी ने बताया कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया और भारी जनसैलाब उमड़ा, जिससे यह समारोह अत्यंत सफल और यादगार बन गया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सामाजिक न्याय और समानता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं और आमजन से आह्वान किया कि वे महात्मा ज्योतिबा फुले के विचारों को अपनाकर एक समानता-आधारित समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

## कौशल रोज़गार निगम के माध्यम से हो रहा युवाओं का शोषण : इन्दरजीत गोराया

**करनाल, 12 अप्रैल (संदीप रोहिला):** कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता इन्द्रजीत सिंह गोराया ने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी सरकार की योग्यता के अधार पर नौकरी देने की बात केवल ढकोसला ही नहीं अपितु युवाओं के शोषण का निगम साबित हो रहा है । गोराया ने कहा कि परदेश में सरकारी नौकरियों के लाखों पद ख़ाली हैं जहाँ पर भर्ती कर युवाओं को रोज़गार दिया जा सकता है परन्तु बीजेपी सरकार अपने वित्तीय कुप्रबंधन के कारण उचित वेतन देने से डरती है इसलिए ठेका प्रणाली का सहारा लेकर सरकार चला रही है । उन्होंने कहा कि यह कौशल रोज़गार निगम वास्तव में शोषण रोज़गार निगम बन गया है जिसका प्रमाण यह है कि जिस पद पर सरकारी नौकरी करने वाले को साठ सत्तर हज़ार वेतन मिलता है वहीं उसी पद पर सम्मान योग्यता रखने वाले उस युवा को जो एचकेआरएनएल से आता है उसे केवल 15 -20 हज़ार दे कर उसका मानसिक व आर्थिक शोषण किया जा रहा है कौशल निगम से आये युवाओं को वेतन पर काम ज्यादा वेतन कम दिया जा रहा है इस योजना से आये कर्मचारी को पक्का भी नहीं किया जाता इस तरह से कौशल रोज़गार निगम के माध्यम से युवाओं का निरंतर शोषण हो रहा है। जो की बिलकुल अनुचित व अव्यवहारिक होने के साथ-साथ शिक्षित व योग्य युवाओं अपमान भी है। हम सरकार से माँग करते हैं परदेश में ख़ाली पदों पर कौशल निगम की बजाय एस एस बोर्ड के माध्यम से भर्ती कर पक्का रोज़गार उपलब्ध करवा कर पूरा वेतन व अन्य सुविधाएं भी दी जायें जिसके वे हकदार हैं।

# मंडियों में आवक जोरों पर लेकिन उठान और भुगतान न के बराबर - दीपेन्द्र हुड्डा

## बोले - मंडियों में अन्न पड़ा है सरकार खरीद करने की बजाय तरह-तरह के बहाने बनाकर अन्नदाता और अन्न दोनों का अपमान कर रही

## कहा- मंडियों में न बारदाना, न तिरपाल, न लेबर, न अन्य सुविधाएं, किसानों को भण्डारण सुविधा मुहैया कराए सरकार

करनाल, 12 अप्रैल (संदीप/रविन्द्र)- सांसद दीपेन्द्र हुड्डा आज करनाल में आयोजित अनेक कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेन्द्र सिंह की मौजूदगी में करनाल शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित बैसाखी मिलन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने सभी को बैसाखी पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा का किसान मंडियों में दर-दर की ठोकर खाने को मजबूर है। किसान को झांसा देकर सत्ता हासिल करने वाली सरकार ने किसान को धान, बाजरा, कपास समेत किसी फसल पर एमएसपी नहीं दी, उलटे धान घोटाला, फसल खरीद घोटाला करके किसान-मजदूरों की सारी कमाई अपनी जेबों में भर ली। सरकार की किसान विरोधी नीयत के चलते आज बैसाखी पर्व के दिन भी हरियाणा का किसान सरकार की नीतियों के खिलाफ सडक़ों पर है। उन्होंने कहा कि मंडियों में किसान को फसल बेचने की सहूलियत होनी चाहिए। उसे खत्म करने के लिये बीजेपी सरकार ने जटिल कायदे-कानून लगा दिए। मंडियों में अन्न पड़ा है सरकार खरीद करने की बजाय तरह-तरह के बहाने बनाकर अन्नदाता अन्न दोनों का अपमान कर रही है। मंडी में फसल की आवक जोरों पर है, लेकिन खरीद नहीं हो रही है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बेमौसमी बरसात किसान के हाथ में तो है नहीं, यहाँ तक कि सरकार के हाथ में भी नहीं है। जब-जब बेमौसम बादल गरजते हैं किसान का दिल कांप जाता है। इस बार बेमौसम बारिश से फसल को काफी नुकसान हुआ है ऐसे में सरकार गेहूं खरीद में नमी की सीमा 14त्न करे और बेमौसमी बारिश से रंग में फर्क़ पड़े गेहूं की तुरंत खरीद हो सरकार बहानेबाजी न करे। उन्होंने सरकार का ध्यान मंडियो में फैली अव्यवस्था पर दिलाया और किसानों व आढ़तियों के साथ समन्वय बनाकर खरीद को सुचारू रूप से कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि मंडियों में न बारदाना की व्यवस्था है, न तिरपाल है, न लेबर, न अन्य सुविधाएं मिल रही है।करनाल शहर की समस्याओं के बारे में बोलते हुए सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि शहर को बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिल रही है, अपराध का ये आलम है कि हरियाणा में माफियाराज, फिरौतीराज चल रहा है। दनादन गोलियां चल जाती हैं। अर्थव्यवस्था ठप है, व्यापारी का बिजनेस ठप पड़ा है। भाजपा सरकार ने हरियाणा को विकास की पटरी से उतार दिया है। इससे पहले सांसद दीपेन्द्र हुड्डा हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश गुप्ता द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में भी शामिल हुए। इस अवसर पर करनाल शहर के कांग्रेस जिलाध्यक्ष पराग गाबा, करनाल ग्रामीण के कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश वैध, पूर्व विधायक सुमिता सिंह, पूर्व विधायक राकेश कम्बोज, पूर्व विधायक भीम सेन मेहता, पूर्व विधायक धर्मपाल गोंदर, पूर्व विधायक बलबीर बाल्मीकि, पूर्व विधायक बख्शीश सिंह विर्क, सुल्तान सिंह जडोला, पूर्व विधायक अर्जुन सिंह, पानीपत ग्रामीण कांग्रेस जिलाध्यक्ष रमेश मलिक, पानीपत ग्रामीण विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे सचिन कुंडु, कंवर सिंह छौकर, मनोज वधवा, सुरेंद्र नरवाल, नाहर सिंह संधू, राम शरण भोला, निश्चय, खुशी राम जागलान, अनिल राणा, सचिन बुढनपुर, राजेश चौधरी, शेर प्रताप शेरी, सुरेश रोड़, बिंदर पोसवाल, सतपाल रोड़, राजीव मामूराम गोंदर, राजबीर शर्मा, एन. पी. सिंह चौहान, गौरव चौहान, नवजोत कश्यप, सुभाष बाटला, रजत लाठर, राजेन्द्र सिंह, गुरप्रीत, रणपाल संधू, सतीश सैनी, ललित अरोड़ा, नाजिम, सतपाल कश्यप आदि मौजूद रहे।

## किसानों को लागत के आधार पर मिले फसल का लाभकारी मूल्य : सेवा सिंह आर्य

**असंध, 12 अप्रैल (दलसिह मान):** भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक गुरुद्वारा डेहरा साहिब के प्रांगण में ब्लॉक प्रधान जीवन सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें किसानों की समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विशेष रूप से भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सेवा सिंह आर्य ने शिरकत की। बैठक में किसानों ने अपनी मांगों को लेकर रोष जताया। आर्य ने कहा कि किसानों को लागत के आधार पर फसल का लाभकारी मूल्य नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि किसानों को लागत के आधार पर फसल का लाभकारी मूल्य दिया जाए। बैठक में उपस्थित अन्य किसानों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। किसानों ने सरकार द्वारा अनाज मंडियों में लागू किए गए नए नियमों का कड़ा विरोध किया और उन्हें किसान विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लागू किए गए नए किसानों के हित में नहीं है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सेवा सिंह आर्य ने कहा कि सरकार को किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए फैसले लेने चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने जल्द ही इन नियमों को वापस नहीं लिया तो किसान बड़े स्तर पर आन्दोलन करने के लिए मजबूर होगें। उन्होंने कहा कि किसानों को कर्ज मुक्त किया जाए और कृषि योग्य भूमि का अधिग्रहण तुरंत बंद किया जाए। इस अवसर पर ब्लॉक प्रधान जीवन सिंह, जनरल सेक्रेटरी मास्टर रामकुमार पीटीआई, ब्लॉक उपप्रधान कुलवंत सिंह थल ,बलवंत सिंह, सुखा सिंह, महेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह, भीम सिंह, अंग्रेज सिंह, निशांत सिंह, गुरनाम सिंह, जरनैल सिंह, शोभा सिंह, अमरीक सिंह, जसवंत सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

## किसानों की मेहनत नहीं जाएगी बेकार, सरकार खरीदेगी फसल का एक-एक दाना नरवाना अनाज मंडी पहुंचे कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा

**नरवाना, 12 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार):** हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने किसानों को भरोसा दिलाया है कि उनकी मेहनत किसी भी हालत में बेकार नहीं जाएगी और सरकार उनकी फसल का एक-एक दाना खरीदेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि खरीद प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और सुचारू व्यवस्था की जाएगी नरवाना अनाज मंडी पहुंचे कृषि मंत्री रविवार को दौरा कर गेहूं खरीद व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस

दौरान उन्होंने मंडी में पहुंचकर किसानों और आढ़तियों से सीधे संवाद किया तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान करवाते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि गेहूं खरीद, उठान और भुगतान की प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि मंडियों में पारदर्शिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है और लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।मौसम में संभावित बदलाव को देखते हुए उन्होंने फसलों की सुरक्षा के लिए मंडियों में पर्याप्त तिरपाल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि अधिक आवक के समय अव्यवस्था से बचने के लिए सभी खरीद एजेंसियां आपसी समन्वय से कार्य करें और खरीद के साथ-साथ उठान प्रक्रिया को लगातार जारी रखें।कृषि मंत्री ने किसानों को दी जा रही सुविधाओं का जिक्र करते हुए बताया कि इस बार खरीद प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाया गया है। किसानों के लिए प्रमुख सुविधाएं:किसान अब ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ-साथ बैलगाड़ी जैसे पारंपरिक साधनों से भी फसल मंडी में ला सकते हैं।,गेट पास के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती, 24 घंटे फसल लाने की सुविधा।,'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल के माध्यम से आसान पंजीकरण व्यवस्था।,पारदर्शिता के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणाली लागू।,आउट गेट पास और उठान प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन, जिससे समय की बचत।मंत्री ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना और उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाना है। उन्होंने दोहराया कि किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

# एस. डी. कॉलेज में 'ग़ज़ल नाइट' का आयोजन, सूफी गायक सुरिंदर खान ने बाँधा समां

बरनाला, 12 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) एस. डी. कॉलेज की 70वीं वर्षगांठ को समर्पित बीते दिनों कॉलेज में एक विशेष 'ग़ज़ल नाइट' का आयोजन किया गया। कॉलेज के पीआरओ प्रो. शोएब ज़फर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सांस्कृतिक शाम में प्रसिद्ध सूफी गायक सुरिंदर खान ने अपनी मखमली आवाज़ से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी कॉलेज के पूर्व छात्र रह चुके इस नामी गायक ने अपने कार्यक्रम की शुरुआत सूफियाना कलाम से की। उन्होंने एक के बाद एक चर्चित ग़ज़लें और गीत प्रस्तुत कर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने दर्शकों के साथ अपने कॉलेज के दिनों की यादें भी साझा करते हुए बताया कि कैसे इसी कॉलेज के मंचों ने उनके गायन सफर की नींव रखी और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी विरासत से जोड़ने में सहायक होते हैं। प्रो. गौरव सिंगला की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम में कॉलेज प्रबंधक समिति के अध्यक्ष श्री नरेश कुमार सिंगला, उपाध्यक्ष श्री राहुल अत्तरी, जनरल सेक्रेटरी श्री जतिंदर नाथ शर्मा, वित्त सचिव डॉ. एम.एल. बंसल, डायरेक्टर श्री हरदयाल सिंह अत्तरी, जॉइंट वित्त सचिव डॉ. राहुल गर्गी, पूर्व अध्यक्ष डॉ. अनीश प्रकाश, सदस्य श्री भूषण बंसल, सदस्य श्री विकास बंसल, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के डीन कॉलेज विकास परिषद डॉ. बलराज सैनी, विधायक श्री कुलदीप सिंह ढिल्लों, कॉलेज के पूर्व शिक्षक व विद्यार्थी, समूचा स्टाफ, इलाके की प्रमुख हस्तियां तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी और संगीत प्रेमी उपस्थित थे।

---

## बैसाखी खगोलीय परिवर्तन और सामाजिक सशक्तिकरण का पावन संगम

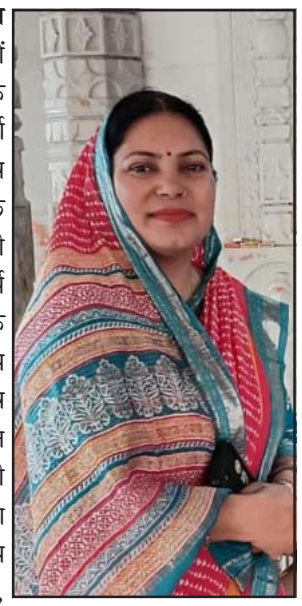



**कुरुक्षेत्र,12 अप्रैल ( करणदीप सिंह ):** बैसाखी का पर्व केवल फसलों के पकने का उत्सव नहीं है, बल्कि यह समय के चक्र और ब्रह्मांडीय ऊर्जा के परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव भी है। इस पावन अवसर पर शक्ति राइज ग्लोबल फाउंडेशन की संस्थापक एवं सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य सुदेश शर्मा ने देशवासियों को हार्दिक मंगलकामनाएँ प्रेषित की हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से बैसाखी का दिन अत्यंत विशेष माना जाता है। इसी दिन सूर्य देव मीन राशि से निकलकर अपने उच्च की राशि मेष में प्रवेश करते हैं। सुदेश शर्मा के अनुसार, मेष संक्रांति के साथ ही सौर नव वर्ष का शुभारंभ होता है, जो नई ऊर्जा, साहस और संकल्प शक्ति का प्रतीक है। ग्रहों की यह स्थिति हमारे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने और नई योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्षा सुदेश शर्मा के नेतृत्व में संस्था निरंतर महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और भारतीय ज्ञान परंपरा (ज्योतिष) के प्रचार-प्रसार में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। बैसाखी के अवसर पर संस्था का मुख्य ध्येय 'अन्नदाता' का सम्मान करना और समाज के प्रत्येक वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित करना है। सुदेश शर्मा का मानना है कि जिस प्रकार बैसाखी नई फसल के साथ समृद्धि का संदेश देती है, उसी प्रकार शिक्षा और सही मार्गदर्शन के माध्यम से समाज में 'सशक्तिकरण की नई फसल' तैयार की जा सकती है। बैसाखी का यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि लेकर आए। आइए, इस सौर नव वर्ष के अवसर पर हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लें।

## गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आचार्या दक्षता वर्ग का आयोजन

**कुरुक्षेत्र, 12 अप्रैल ( करणदीप सिंह ):** गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक

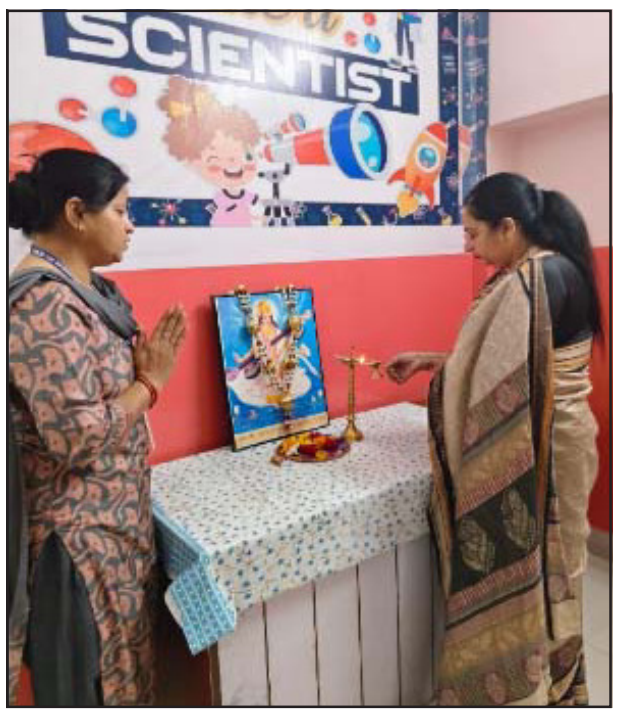




विद्यालय में आचार्या दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। दक्षता वर्ग का आरंभ गीत द्वारा किया गया। इसके पश्चात प्रात: स्मरण, एकात्मकता मंत्र एवं एकात्मकता स्तोत्र के श्लोकों का उच्चारण किया गया। विद्यालय आचार्या सोनिया द्वारा शरीर के विभिन्न अंगों को स्वस्थ रखने के लिए तथा मन की एकाग्रता को बढ़ाने के लिए आसन, योग व प्राणायाम करवाए गए। योग के पश्चात वंदना का सत्र रहा। विद्यालय प्राचार्या सुमन बाला ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर वंदना सत्र का शुभारम्भ किया गया। बौद्धिक सत्र प्राथमिक विभाग प्रमुख आचार्या रेखा ने लिया जिसका विषय शिक्षा पद्धति रहा। उन्होंने बताया कि शिक्षा पद्धति सीखने की प्रक्रिया को आसान बनाती है। इस पद्धति द्वारा शिक्षार्थी सफल बनते हैं। शिक्षक और शिक्षार्थी मिलकर शिक्षा को प्रभावित बनाते हैं। शिक्षा मार्ग दिखाती है। शिक्षार्थी उस मार्ग पर चलकर लक्ष्य प्राप्त करता है। अनीता द्वारा समता में गण विभाग, प्रतिसर, पूर्व सर, वामा अर्ध वृत्त, दक्षिण अर्धवृत्त की आज्ञाओं का अभ्यास करवाया गया। शिक्षण सत्र में लता द्वारा संस्कृत वंदना का हिंदी में अनुवाद करवाया गया। उन्होंने बड़े ही सरल शब्दों तथा रुचि पूर्वक ढंग से वंदना को हिंदी में समझाया। नीलम द्वारा प्रेरणादायक कहानी सुनाई गई। आचार्य पिंकी ने आचार्या दक्षता वर्ग की समीक्षा की। कल्याण मंत्र द्वारा आचार्य दक्षता वर्ग का समापन किया गया।

## प्रोफेसर हिम्मत सिंह सिन्हा स्मृति न्यास कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

**कुरुक्षेत्र,12 अप्रैल ( करणदीप सिंह ):** प्रोफेसर हिम्मत सिंह सिन्हा स्मृति न्यास के बैठक डॉ. चितरंजन दयाल सिंह कौशल की अध्यक्षता में न्यास



कार्यालय में हुई। ये जानकारी देते हुए महासचिव सन्त कुमार ने बताया कि कार्यालय 85, आकाश नगर, कुरुक्षेत्र में न्यास के सदस्यों ने कार्यालय सहित प्रोफेसर हिम्मत सिंह सिन्हा की पुस्तकों का भी अवलोकन किया। उनकी पुस्तकों को पुस्तकालय का रूप दिया गया है। इन पुस्तकों में दर्शन शास्त्र के साथ-साथ, आयुर्वेद, मनोविज्ञान, आध्यात्म सहित अनेक पुस्तकों का संग्रह किया गया है। सन्त कुमार ने बताया कि बैठक में प्रोफेसर हिम्मत सिंह सिन्हा के दिखाए गए मार्ग पर चलने की प्रतिज्ञा ली गई। न्यास के अंतर्गत शिक्षा और आध्यात्म के प्रचार-प्रसार का पुनीत कार्य किया जाएगा। न्यास के प्रेस सचिव की जिम्मेदारी डॉ. राजेश वाधवा को दी गई। इस बैठक में न्यास के संरक्षक डॉ. रामेंद्र सिंह, उपप्रधान प्रेम नारायण शुक्ल, जय पाल मलिक, मुकेश मित्तल, डॉ.राधे श्याम, डॉ. मोहित गुप्ता, राजीव कुमार, विश्वनाथ और वैभव की उपस्थिति रही। इस बैठक के दौरान आगामी बैठकों की रूपरेखा, भविष्य की योजनाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्यों पर भी विचार-विमर्श किया गया। अंत में सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए बैठक का समापन किया गया।

# अपराध शाखा-1 की टीम ने 16 ग्राम हेरोइन (स्मैक) सहित एक आरोपी को किया गिरफ्तार



**यमुनानगर, 12 अप्रैल ( दिनेश कुमार ):** पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के निर्देशानुसार जिले में नशे के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अपराध शाखा-1 की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांजूपुर नहर पुल के पास से एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शादीपुर निवासी इल्ताफ पुत्र नजर हसन के रूप में हुई है, जिसके कब्जे से 16 ग्राम हेरोइन (स्मैक) बरामद की गई है। इंचार्ज राजकुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक नहर पुल के आसपास नशीले पदार्थ के साथ घूम रहा है। इस सूचना के आधार पर उप निरीक्षक जसबीर सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया, जिसमें सुखदेव, मनीष, सुशील और जगतार शामिल थे। टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को काबू किया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट को मौके पर बुलाकर जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से 16 ग्राम हेरोइन (स्मैक) बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है।

दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार

इसी मामले में पुलिस ने नशा तस्करी के एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इंचार्ज राजकुमार ने बताया कि तीन दिन पहले उनकी टीम ने 113 ग्राम हेरोइन (स्मैक) के साथ मायापुरी निवासी शुभम उर्फ टिंकू को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि वह नशीले पदार्थ उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद निवासी इखलाख से लेकर आता था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कार्रवाही की और इखलाख को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। जांच में सामने आया है कि शुभम लंबे समय से इखलाख से हेरोइन (स्मैक) लेकर शहर में सप्लाई करता था और नशा तस्करी के इस नेटवर्क को संचालित कर रहा था। इंचार्ज ने बताया कि रिमांड के दौरान आरोपियों से और भी अहम खुलासे होने की संभावना है। जिले में नशा तस्करों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

# भारत विकास परिषद लाडवा का दायित्व ग्रहण समारोह आयोजित

### संस्था के सभी सदस्य मिलजुल कर कार्य करेंगे और संस्था को नई बुलंदियों पर ले जाएंगे : राजीव आर्य




**लाडवा,12 अप्रैल ( रामगोपाल ):** भारत विकास परिषद लाडवा द्वारा लाडवा रादौर मार्ग पर एक निजी होटल में संवत् 2083 का दायित्व ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में भारतीय जनता पार्टी जिला सचिव नरेंद्र सिंघल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत विकास परिषद् के प्रांतीय अध्यक्ष कपिल गुप्ता द्वारा की गई। परिषद अध्यक्ष अमन गोयल ने आए हुए अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन करके किया गया। शाखा सचिव संजीव मंगला द्वारा गत वर्ष के कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। अमन गोयल ने गत वर्ष के कार्यों में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों का दिल की गहराइयों से धन्यवाद किया एवं आश्वासन दिया कि आगे जहां भी की आवश्यकता हो वह हर समय संस्था के लिए हरदम तत्पर है। परिषद के कार्यों को देखते हुए प्रांत की ओर से शाखा लाडवा की टीम को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।प्रांतीय महासचिव अतुल गोयल ने संवत 2083 के लिए नई टीम के तौर पर अध्यक्ष राजीव आर्य, सचिव संजीव मंगला, वित्त सचिव रूमीत गर्ग को दायित्व ग्रहण कराया। इसके अलावा महिला सहभागिता प्रमुख प्रियंका गोयल, संस्कार गतिविधि संयोजक बालकिशन सैनी, सेवा संयोजक नवनीत सिंघल, संपर्क संयोजक हेमंत सैनी एवं पर्यावरण संयोजक शिवानी गर्ग को दायित्व प्रदान किया गया। राजीव आर्य ने सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि सभी सदस्य मिलजुल कर संस्था के लिए कार्य करेंगे और संस्था को नई बुलंदियों पर ले जाएंगे।मुख्यातिथि नरेंद्र सिंघल ने अपने संबोधन में परिषद के कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा आश्वासन दिया कि संस्था को जहां भी जरूरत है वह हर समय साथ देने के लिए तैयार हैं।प्रांतीय अध्यक्ष कपिल गुप्ता ने लाडवा शाखा द्वारा किए जा रहे प्रकल्पों की प्रशंसा की तथा परिषद की कार्यप्रणाली एवं उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद प्रांतीय उपाध्यक्ष नरेंद्र राणा समाजसेवी विजेंदर गोयल, नगरपालिका अध्यक्षा साक्षी खुराना, डॉ परमशिव गौड़ एवं भारत विकास परिषद् शाखा लाडवा के सभी सदस्य उपस्थित थे।

# गुरुनानक खालसा कालेज में मनाया जाएगा वैसाखी पर्व धूमधाम से

*खालसा पंथ का साजणा दिवस सत्य, न्याय और मानवता की सेवा के मार्ग पर चलने की देता है प्रेरणा : डा. चुहड़ सिंह*




**करनाल, 12 अप्रैल ( संदीप रोहिला ):** गुरुनानक खालसा कालेज में वैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। कालेज के प्राचार्य डा. चुहड़ सिंह ने बताया कि खालसा साजणा दिवस के पावन पर्व पर कालेज की प्रबंधन समिति, स्टॉफ तथा विद्यार्थियों द्वारा कालेज के द्वार पर कड़ाह प्रसाद एवं दूध की छबील लगाई जाएगी। प्राचार्य ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 13 अप्रैल को सिखों का पवित्र त्यौहार वैसाखी मनाया जाता है। इस त्यौहार के माध्यम से न केवल धर्म की स्थापना का संदेश दिया जाता है बल्कि 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग में शहीद हुए देशवासियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। प्राचार्य ने बताया कि इस पर्व का महत्व धार्मिक, ऐतिहासिक एवं आपसी सौहार्द, भाईचारा, प्रेम की स्थापना करना है। कालेज प्रबंधन समिति के प्रधान सरदार कंवरजीत सिंह प्रिंस ने कहा कि इसी दिन 1699 में दसवें गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। यह दिन हमें साहस, समानता एवं धर्म के प्रति निष्ठा का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि खालसा पंथ का साजणा दिवस सत्य, न्याय और मानवता की सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस पावन पर्व पर कालेज परिवार सभी विद्यार्थियों और स्थानीय निवासियों को इस सेवा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है। ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व हमें अपनी परंपराओं से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर सब मिलकर श्रद्धा, उल्लास, खुशी एवं सेवाभाव से पर्व को मनाएं। इस मौके पर डा. जुझार सिंह, सुरपाल सिंह, दिलबाग सिंह, प्रो. मनीष, डा. दीपक, दिनेश डोगरा, डा. जतिंद्र पाल सिंह और डा. बीर सिंह मौजूद रहे।

# साहब! कॉलेज के गेट पर धुआं-धुआं हुआ अनुशासन : सब्जी के साथ छल्ले और उपलों की आफत



**कलायत,12 अप्रैल ( सुबेसिह मोर ):** जहाँ बेटियों की शिक्षा का मंदिर है, वहीं अब प्रदूषण और अतिक्रमण का %पंडाल% सज गया है। श्री कपिलमुनि राजकीय महिला कॉलेज के ठीक पास एक सब्जी विक्रेता ने न केवल सड़क को अपनी जागीर समझकर अतिक्रमण कर लिया है, बल्कि अब वहां शिक्षा की खुशबू की जगह गोबर के उपलों (पाथ्यों) का दमघोंटू धुआं तैर रहा है।

**सब्जी मंडी या हुक्का पार्लर?** - हैरानी की बात यह है कि दुकान पर हरी सब्जियां कम और हुक्के की गुड़गुड़ाहट ज्यादा सुनाई देती है। दुकानदार ने सरेआम हुक्का सजाया हुआ है, और पास ही सुलगते उपलों से निकलने वाला धुएं का गुबार कॉलेज जाने वाली छात्राओं के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है। हालत यह है कि कॉलेज की दहलीज पर कदम रखते ही छात्राओं को ताजी हवा के बजाय देसी स्मॉग का सामना करना पड़ता है।**नियमों की उड़ी धज्जियां, प्रशासन मौन**

प्रदूषण का खुला तांडव: सरेआम गोबर के उपले जलाकर वातावरण को प्रदूषित किया जा रहा है, लेकिन विभाग की नजरें शायद धुएं की वजह से धुंधली पड़ गई हैं।अतिक्रमण का जाल : सड़क घेरकर लगाई गई इस दुकान से ट्रैफिक व्यवस्था तो चरमराई ही है, साथ ही राहगीरों का निकलना भी दूभर हो गया है।

**बेखौफ दुकानदार :** न कानून का डर, न सफाई की चिंता। बस अपना हुक्का और अपनी मनमर्जी!

**चर्चा का विषय:** क्या प्रशासन इस धुएं के गुबार को चीरकर कोई कार्रवाई करेगा, या फिर बेटियों को इसी तरह प्रदूषण और अतिक्रमण के साये में अपनी पढ़ाई जारी रखनी होगी? अब देखना यह है कि संबंधित अधिकारी कब इस धुआंधार समस्या पर पानी

# खिलाड़ी प्रवीण कौर ने जिला पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल



**सिरसा, 12 अप्रैल ( ब्यूरो ):** सिरसा जिला पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 में अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए खेल इंडिया खेल अजीज प्रताप सिंह खोसा स्टेडियम ऐलनाबाद की खिलाड़ी प्रवीण कौर ने जूनियर आयु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करके ऐलनाबाद व सिरसा जिला का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगरपालिका ऐलनाबाद के पूर्व चेयरमैन रविंद्र कुमार लढ़ा व डॉक्टर मदन जैन ने खिलाड़ी प्रवीण कौर को गोल्ड मेडल पहनाकर व ट्राफी देकर और 1100 रुपए की नगद राशि से सम्मानित किया। इस अवसर पर अजीज प्रताप खोसा फाउंडेशन के संरक्षक मलकीत सिंह खोसा, अध्यक्ष अमरपाल सिंह खोसा, खेल इंडिया खेल एकेडमी के संचालक आत्माराम झोरड़, कोच संपत सिंह व सुंदर ठाकुर ने खिलाड़ी प्रवीण कौर को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह खिलाड़ी प्रवीण कौर की सख्त मेहनत व कोच संपत सिंह का अच्छा मार्गदर्शन है ।

## लिवासा अस्पताल, अमृतसर में किडनी ट्रांसप्लांट से छात्र को मिली नई जिंदगी

अमृतसर 12 अप्रैल (मधु राजपूत) लिवासा अस्पताल, अमृतसर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कंसल्टेंट-नेफ्रोलॉजिस्ट और ट्रांसप्लांट फिजिशियन, डॉ राधिका गर्ग ने बताया कि आईजीए नेफ्रोपैथी एक प्रगतिशील किडनी विकार है, जिसमें मूत्र में रक्त आना और किडनी की कार्यक्षमता में धीरे-धीरे गिरावट आना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। डॉ राधिका ने आगे कहा, मरीज, जो एक छात्र है, अप्रैल 2024 में किडनी की बायोप्सी के माध्यम




से निदान की पुष्टि होने के बाद से ही गंभीर किडनी की बीमारी से जूझ रहा था। समय के साथ उसकी स्थिति बिगड़ती गई, जिसमें क्रिएटिनिन का स्तर बढ़ना और लगातार मूत्र में रक्त आना शामिल था, जो अंतत: अंतिम चरण के किडनी की बीमारी तक पहुंच गया। वह जनवरी 2026 से डायलिसिस पर था। डॉ राधिका ने बताया कि आईजीए नेफ्रोपैथी की प्रगतिशील प्रकृति और डायलिसिस की सीमित दीर्घकालिक उपयोगिता को देखते हुए, जीवन की गुणवत्ता को बहाल करने और जीवित रहने के लिए किडनी ट्रांसप्लांट अत्यंत आवश्यक हो गया था। कंसल्टेंट-यूरोलॉजिस्ट और ट्रांसप्लांट सर्जन, डॉ पारस राम सैनी ने बताया कि मरीज के पिता के लिविंग डोनर होने के कारण, लिवासा अस्पताल में मरीज का किडनी ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक हुआ। डॉ सैनी ने आगे कहा कि समय पर किए गए हस्तक्षेप ने न केवल उनकी जान बचाई बल्कि उन्हें डायलिसिस पर आजीवन निर्भरता से मुक्त होकर सामान्य जीवन में लौटने का अवसर भी प्रदान किया। सीईओ-लिवासा अस्पताल, अनुराग यादव ने कहा कि अस्पताल का जिले में किडनी ट्रांसप्लांट सेवाएं प्रदान करने वाला एकमात्र लाइसेंस प्राप्त संस्थान बनना उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

## क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ला रहा है भारत में हरित चारा क्रांति

हिसार 12 अप्रैल (मधु राजपूत सपना) भारत के प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। विश्व की लगभग 18 प्रतिशत आबादी और लगभग 15 प्रतिशत पशु हमारे देश में रहते हैं, जबकि देश का भौगोलिक क्षेत्रफल विश्व के क्षेत्रफल का केवल 2.4 प्रतिशत है। वन और चारागाह मैदान केवल 1.5 प्रतिशत और पानी के संसाधन केवल 4.2 प्रतिशत हैं। देश में चारे के मुख्य स्रोत फसल अवशेष, उगाया गया हरित चारा और वनों, स्थायी चारागाह मैदानों व चराई की जमीनों आदि से मिलने वाला चारा है।भारत में पशुधन के सेक्टर का विकास करने में आने वाली मुख्य बाधा अच्छी घास और चारे की लगातार बनी रहने वाली कमी है। पशुधन आहार के लिए ऐसे स्रोतों पर निर्भर है, जो सस्टेनेबल नहीं हैं। उन्हें ज्यादातर पोषण फसल के अवशेषों और जोती गई एवं बीहड़ जमीनों तथा आम चराई की जमीनों से मिलने वाले चारे से प्राप्त होता है। इसलिए दुधारू पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने और ग्रामीण आजीविका में मदद करने के लिए उन्हें चारा उपलब्ध कराने का एक योजनाबद्ध, वैज्ञानिक और आर्थिक रूप से व्यवहारिक उपाय किया जाना बहुत जरूरी है। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का "2026 चारा अभियान" चार महत्वपूर्ण राज्यों, हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान पर केंद्रित है, जो भारत के चारा उत्पादन में जो भारत के चारा उत्पादन में सबसे बड़ा योगदान देते हैं।इन राज्यों में ज्वार, मक्का, बाजरा, बरसीम और लूसर्न जैसी फसलें सबसे अधिक उगाई जाती हैं, जो भारत में पशुओं की बड़ी और बढ़ती हुई आबादी के पोषण के लिए आवश्यक हैं। भारत में पशुओं की बड़ी और बढ़ती हुई आबादी में हरियाणा मुख्य भूमिका निभाता है, क्योंकि यहाँ पर पशु बहुत अधिक संख्या में है और यहाँ ज्वार एवं बाजरा की खेती की जाती है, जिनका उपयोग चारे एवं अनाज, दोनों उद्देश्यों के लिए होता है।क्रिस्टल के प्रमुख सिंगल-कट हरित चारा हाईब्रिड, "डेयरी ग्रीन" को उच्च पैदावार देने वाले डेयरी पशुओं को पोषण देने के उद्देश्य से बनाया गया है। यह पौधों की आधुनिक प्रजनन तकनीक से विकसित किया गया है। इसलिए "डेयरी ग्रीन" लगातार उच्च बायोमास पैदावार, ज्यादा मात्रा में प्रोटीन और बेहतरीन स्वाद प्रदान करता है, जिसके कारण यह हरियाणा में डेयरी किसानों का पसंदीदा पशु आहार है।क्रिस्टल खरीफ 2026 में हरियाणा के किसानों को संपूर्ण चारा बीज उपलब्ध कराएगा। क्रिस्टल "डेयरी ग्रीन" के अलावा, हरियाणा के किसानों को अगली पीढ़ी के चारा बीज की पूरी श्रृंखला पेश करेगा, जो भिन्न-भिन्न कृषि जलवायु की जरूरतों को पूरा करेगी। इनमें उच्च पैदावार देने वाला ज्वार-सूडान हाईब्रिड "एसएक्स17" शामिल है, जिसका तना मजबूत होता है, पकने में मध्यम समय लगता है और दोबारा उगने की क्षमता अच्छी होती है। वहीं "स्टार" ज्यादा तेजी से पकने वाला ज्वार है, जो हरित चारे और अनाज, दोनों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के चीफ एग्ज़िक्यूटिव ऑफिसर - बीज, सत्येंदर सिंह ने कहा, "भारत में पशुधन का सेक्टर एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आ गया है। हमारी चुनौती केवल दूध उत्पादन को लेकर नहीं है, बल्कि हरित चारे की क्वालिटी और उपलब्धता बनाए रखना भी एक बड़ी चुनौती है। इस चुनौती से निपटने के लिए हमने क्रिस्टल में बीजों का विकास करने में एक दशक से अधिक समय लगाया है।

# गांव चलो, बस्ती चलो अभियान के तहत स्वच्छता अभियान आयोजित, पौधारोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

**कैथल,12 अप्रैल ( सुरेंद्र कुमार ):** भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित गांव चलो, बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत पाड़ला मंडल के गांव मानस में एक व्यापक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व पूर्व विधायक लीला राम ने किया। उनके नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों ने मिलकर गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से श्रमदान किया। अभियान के दौरान गांव की प्रमुख गलियों, सार्वजनिक स्थलों, मंदिर परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की गई। कार्यकर्ताओं ने झाड़ू लगाकर कूड़ा एकत्रित किया तथा उसे उचित स्थान पर निस्तारित किया। साथ ही नालियों की सफाई कर जलभराव की समस्या को दूर करने का प्रयास किया गया, जिससे गांव में स्वच्छता के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को भी कम किया जा सके। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। लोगों को बताया गया कि साफ-सफाई केवल सरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने घर और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखे। अभियान के दौरान विशेष रूप से सिंगल यूज़ प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई और इसके उपयोग को कम करने की अपील की गई। पूर्व विधायक लीला राम ने अपने संबोधन में कहा कि स्वच्छता स्वस्थ जीवन की पहली सीढ़ी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण न केवल बीमारियों से बचाव करता है, बल्कि जीवन स्तर को भी बेहतर बनाता है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे नियमित रूप से सफाई रखें और कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डालें, ताकि गांव को एक आदर्श गांव के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि गांव चलो, बस्ती चलो अभियान का मुख्य उद्देश्य गांव-गांव जाकर लोगों के साथ सीधा संवाद स्थापित करना, उनकी समस्याओं को समझना और उन्हें सरकार की योजनाओं से जोड़ना है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से समाज में जागरूकता बढ़ती है और जनभागीदारी मजबूत होती है।

सरकारी योजनाओं की दी जानकारी, जनभागीदारी पर दिया जोर अभियान के दौरान पूर्व विधायक लीला राम ने विभिन्न लाभार्थियों से मुलाकात कर केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की। उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने लोगों को विभिन्न योजनाओं के लिए पात्रता और आवेदन प्रक्रिया के बारे में भी अवगत कराया।कार्यक्रम के अंतर्गत मंदिर के प्रांगण में पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पूर्व विधायक ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं और हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सके। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियानों से गांव में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ती है और लोगों में सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे भविष्य में भी इस प्रकार के अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे और अपने गांव को स्वच्छ बनाए रखने में योगदान देंगे। कार्यक्रम में पाड़ला मंडल के अनेक पदाधिकारी, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह अभियान न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देने का माध्यम बना, बल्कि सामाजिक एकता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करने में सफल रहा।

# अमेरिका भेजने के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर : तीन आरोपी काबू

*वीजा का झांसा देकर 35 लाख रुपये हड़पे, अवैध रास्ते से भेजा युवक, 14 लाख बरामद*

**रायपुररानी, 12 अप्रैल ( देवेन्द्र सिंह ):** पंचकूला पुलिस की एंटी इमिग्रेशन फ्रॉड यूनिट ने विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला थाना रायपुररानी में दर्ज शिकायत के बाद सामने आया। जांच में खुलासा हुआ कि पटियाला निवासी संदीप कुमार सेक्टर-3 पंचकूला निवासी पवन उर्फ पम्मी और पीतमपुरा दिल्ली निवासी सतनाम सिंह ने मिलकर गांव गढ़ी कोटाहा निवासी कृष्ण लाल के बेटे को अमेरिका भेजने का झांसा दिया। आरोपियों ने वर्क वीजा लगवाने का भरोसा दिलाकर उससे करीब 35 लाख रुपये वसूल लिए। आरोपियों ने पहले जान-पहचान और रिश्तेदारी का फायदा उठाकर पीड़ित का विश्वास जीता, फिर पूरी रकम नकद में ली। बेटे को विदेश भेजने की उम्मीद में पीड़ित ने अपनी जमीन तक बेच दी और अलग-अलग किश्तों में पैसे आरोपियों को दे दिए। दिसंबर 2023 में आरोपियों ने युवक के अमेरिका पहुंचने का दावा किया, लेकिन बाद में पता चला कि उसे अवैध तरीके से 'डंकी रूट' के जरिए विदेश भेजा गया था। वहां पकड़े जाने के बाद उसे भारत वापस भेज दिया गया। हालांकि आरोपी लंबे समय तक परिवार को झूठे भरोसे में रखते रहे। सच्चाई सामने आने पर पीड़ित ने पैसे वापस मांगे, लेकिन आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी। इसके बाद शिकायत पुलिस तक पहुंची। वही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी जांच जारी है। फिलहाल अब तक 14 लाख रुपये की रिकवरी हो चुकी है, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

# अनाज मंडी में गेंहू की फसल की आवक में हिफाजा होने से आढ़ती परेशान,खरीद धीमी, मंडी में लगे गेंहू ऊंचे ढेर

**चिडाव,12 अप्रैल ( प्रवीन कुमार ):** अनाज मंडी में गेंहू की फसल की आवक में हिफाजा होने के कारण खरीद प्रक्रिया धीमी चल रही है। जिस कारण आढ़तियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है क्योंकि किसान अपनी गेंहू की फसल को बाहर प्राईवेट कांटों से ट्रैक्टर ट्रॉलियों का फसल से लोडिंग व खाली टॉलियों का तोल करवा आढ़तियों की दुकानों पर डाल रहे है और आढ़तियों को तोल की पर्ची देते है। जिस कारण आढ़तियों की दुकानों पर गेंहू की फसल के ऊंचे ढेर लग गए है। पूर्व प्रधान वेद प्रकाश त्यागी, बलवीर राणा, सुभाष सिंगला सहित अन्य आढ़तियों ने बताया कि सरकारी खरीद की धीमी गति व बारदानों की कमी के चलते मंडी में अव्यवस्था व आढ़तियों को फसल उठान में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी बात को लेकर मंडी सचिव से मिले थे उन्होंने आश्वासन दिया है कि जल्द ही इस समस्या का समाधान करवा दिया जाएंगा। अनाज मंडी कृष्ण कुमार ने बताया कि अनाज मंडी में अभी तक फूड एंड सप्लाई ने 11 हजार 5 क्विंटल ,हैफड़ ने एक लाख 58 हजार 7 सौ 69 ,स्टेट वेयर हाऊस ने 54 हजार 16 क्विंटल गेंहू की मंडी से खरीद की है। तीनों खरीद एजेंसी के निरीक्षकों को बुलाकर खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने के आदेश दिए गए है। जिससे मंडी में खरीद गई गेंहू का जल्द उठान हो सकें और आढ़तियों को गेंहू की फसल डालने की पर्याप्त स्थान मंडी में मिल सकें। उन्होंने किसानों से अपील की है कि किसान अपनी गेंहू की फसल को सुखाकर लाए। जिससे उनकी फसत की तुरंत खरीद हो सकें।

## आर्यभट्ट कॉलेज में टीमवर्क विषय पर समूह चर्चा, छात्रों के लीडरशिप और संचार कौशल निखरे

बरनाला, 12 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) आर्यभट्ट कॉलेज द्वारा छात्रों के संचार, सहयोग और नेतृत्व कौशल को मजबूत बनाने के उद्देश्य से टीमवर्क विषय पर एक रोचक समूह चर्चा का आयोजन किया गया। इस सत्र का संचालन सहायक प्रो. जशलीन कौर ने किया, जिन्होंने कार्यक्रम समन्वयक और मुख्य वक्ता के रूप में भूमिका निभाई। उन्होंने शैक्षणिक, पेशेवर और संगठनात्मक स्तर पर टीमवर्क के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रभावी टीमवर्क के माध्यम से साझा लक्ष्यों की प्राप्ति,

आपसी विश्वास की मजबूती, समस्या समाधान की क्षमता में सुधार तथा एक सकारात्मक कार्य वातावरण का निर्माण संभव होता है। समूह चर्चा के दौरान छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और टीम के भीतर सहयोग, समन्वय तथा नेतृत्व की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। यह सत्र छात्रों में आत्मविश्वास, आलोचनात्मक सोच और संचार कौशल विकसित करने के लिए अत्यंत इंटरएक्टिव और लाभकारी सिद्ध हुआ। यह कार्यक्रम कॉलेज प्रबंधन के सम्माननीय मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।इस अवसर पर एर. राकेश गुप्ता (चेयरमैन), डॉ. अजय मित्तल (डायरेक्टर), डॉ. भवेत गर्ग (डीन अकादमिक) और डॉ. जशन जोत (मुखी, वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग) का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।कॉलेज प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए छात्रों को ऐसी शैक्षणिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया, ताकि उनका समग्र व्यक्तित्व और पेशेवर विकास हो सके।

## वाई.एस. कॉलेज द्वारा ए.आई.सी.टी.ई के 'यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज़' वर्कशॉप के माध्यम से फैकल्टी सशक्तिकरण की पहल

बरनाला, 12 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) वाई.एस. कॉलेज शैक्षणिक उत्कृष्टता और सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में लगातार नए मील के पत्थर स्थापित कर रहा है, जिसे हाल ही में मोस्ट इमर्जिंग हाइएस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ द ईयर के रूप में सम्मानित किया गया है। अपने स्टाफ की कार्यकुशलता बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, कॉलेज ने अपने प्रमुख अकादमिक प्रबंधकों को तीन दिवसीय प्रतिष्ठित 'यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज़' वर्कशॉप में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन द्वारा अनिवार्य इस वर्कशॉप का आयोजन महाराजा रणजीत सिंह पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी में किया गया, जिसमें क्षेत्र के 120 से अधिक प्रतिष्ठित शिक्षाविदों ने भाग लिया।वर्कशॉप का समापन एक औपचारिक सम्मान समारोह के साथ हुआ, जहां डॉ. गुरपाल सिंह राणा (प्रिंसिपल) और श्री दीपेश कुमार (बी.सी.ए. विभागाध्यक्ष) को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।यह पहल कॉलेज की दूरदर्शिता को दर्शाती है, जिसमें फैकल्टी को न केवल तकनीकी रूप से दक्ष बनाया जा रहा है, बल्कि नैतिक रूप से भी सशक्त किया जा रहा है।डायरेक्टर ने कॉलेज को मिली इस उपलब्धि और फैकल्टी के पेशेवर विकास पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार छात्रों, शिक्षकों और प्रबंधन की सामूहिक मेहनत का परिणाम है।प्रिंसिपल डॉ. गुरपाल सिंह राणा ने कहा कि इस प्रकार की पहल उच्च शिक्षा को चरित्र निर्माण और जिम्मेदार नागरिकता की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।वाइस प्रिंसिपल ने निरंतर पेशेवर विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस वर्कशॉप ने दैनिक शिक्षण में नैतिक दृष्टिकोण को शामिल करने की समझ प्रदान की है।दीपेश कुमार ने इन मूल्यों को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक रूप से जिम्मेदार स्नातक तैयार किए जा सकेंगे।

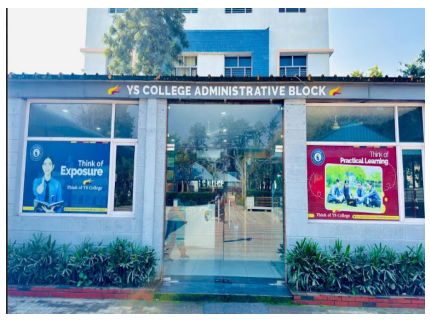


# महात्मा ज्योतिबा फुले ने समाज में व्याप्त कुरीतियों, जातिगत भेदभाव और असमानता के खिलाफ संघर्ष किया : पुजारी संदीप

*इंग्लैंड स्थित श्रीराम मंदिर में सैनी समाज ने मनाई महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती*

**पिहोवा, 12 अप्रैल ( मुकेश डोलिया ):** इंग्लैंड के साउथहॉल स्थित श्री राम मंदिर में अप्रवासी सैनी समाज द्वारा समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत मंदिर के पुजारी संदीप शर्मा द्वारा विशेष पूजा-अर्चना व वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ करवाई गई जिसमें समाज से जुड़े अनेक लोगो ने सपरिवार भाग लिया। पूजा-अर्चना के उपरांत मंदिर परिसर में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में भजन गायकों ने एक से बढक़र एक सुंदर भजन प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बनाए रखा। इसके पश्चात मंदिर के पुजारी पं. संदीप शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन, उनके सामाजिक योगदान और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि फुले जी ने समाज में व्याप्त कुरीतियों, जातिगत भेदभाव और असमानता के खिलाफ संघर्ष करते हुए शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाने का कार्य किया, जो आज भी प्रेरणादायक है। मंदिर कमेटी के प्रमुख पदाधिकारी अरूण ठाकुर व जय शर्मा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समाज के लोगो व मंदिर सेवादारों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सैनी समाज के प्रमुख सदस्यों ने बताया कि विदेश में रहकर भी अपनी संस्कृति, परंपराओं और महान विभूतियों की जयंती मनाना समाज को एकजुट रखने का माध्यम है। उन्होंने युवाओं से महात्मा फुले के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का माहौल बना रहा। इस आयोजन ने न केवल महात्मा ज्योतिबा फुले के विचारों को पुनर्जीवित किया, बल्कि विदेश में बसे भारतीय समुदाय के बीच आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक जुड़ाव को भी मजबूत किया। इस मौके पर सैनी समाज से जुड़े राकेश सैनी, मनीष सैनी, संतोख सैनी, नरेश सैनी, शिव सैनी, नरेश सैनी, रजनी सैनी, नीलम सैनी, अमित सैनी, संजीव सैनी सहित गोपाल शर्मा, रोबिन, राहुल, आकाश, बलविंद्र, साहिल, संजू, गौतम, वीर शर्मा, गगन व जशन सहित अनेक वालंटियर मौजूद रहे। सॉऊथहाल स्थित श्री राम मंदिर में पूजा अर्चना करवाते सैनी समाज से जुड़े अप्रवासी भारतीय। कार्यक्रम में भाग लेने वाले गण्यमान्य जन व वालंटियर।

## नरवाना मंडी को बड़ी राहत : 12 अतिरिक्त प्वाइंट बनने से जाम और अव्यवस्था से मिलेगी मुक्ति

**नरवाना,12 अप्रैल ( नरेन्द्र कुमार ):** नरवाना की अनाज मंडियों में हर साल गेहूं सीजन के दौरान लगने वाले जाम और अव्यवस्था से अब किसानों और आढ़तियों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। मंडियों में बढ़ती आवक को देखते हुए 12 अतिरिक्त परचेज प्वाइंट बनाए गए हैं जिससे गेहूं की खरीद प्रक्रिया अब पहले से अधिक सुगम और तेज हो सकेगी।दरअसल नरवाना की मेला अनाज मंडी, कपास मंडी और धमतान मंडी में गेहूं की भारी आवक के कारण अक्सर जगह की कमी हो जाती थी। स्थिति यह थी कि किसानों को अपनी फसल मंडी की सड़कों या बाहर उतारनी पड़ती थी जिससे जाम की समस्या बनी रहती थी और एजेंसियों को खरीद व उठान में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।इस समस्या को लेकर मंडी एसोसिएशन के प्रधान जयदेव बंसल सहित अन्य आढ़तियों ने चेयरमैन अमित ढाकल से समाधान की मांग की। इसके बाद चेयरमैन ने मामला कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी के समक्ष रखा। मंत्री के हस्तक्षेप के बाद उच्च अधिकारियों से मंजूरी मिलते ही अतिरिक्त प्वाइंट स्थापित कर दिए गए।पहले जहां केवल 6 राइस मिलों में प्वाइंट बनाए गए थे जो अपर्याप्त साबित हो रहे थे, वहीं अब पुरानी अनाज मंडी सहित 6 और स्थानों पर प्वाइंट बनाकर कुल संख्या 12 अतिरिक्त प्वाइंट कर दी गई है।चेयरमैन अमित ढाकल ने बताया कि इन नए प्वाइंट्स के शुरू होने से अब किसानों को अपनी फसल डालने में परेशानी नहीं होगी और माल का उठान भी तेजी से किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि जियो-फेंसिंग लागू होने के बाद मिलों में ही गेट पास काटे जाएंगे जिससे पूरी प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी व व्यवस्थित बनेगी। उन्होंने यह भी बताया कि पहले मंडियों में जगह की कमी के कारण सड़कों पर गेहूं डालने से हर समय जाम की स्थिति बनी रहती थी, लेकिन अब इस समस्या से काफी हद तक निजात मिलेगी। साथ ही गेहूं में नमी अधिक होने पर उसे सुखाने की प्रक्रिया भी आसानी से पूरी हो सकेगी। इस फैसले पर मंडी एसोसिएशन और आढ़तियों ने मंत्री कृष्ण कुमार बेदी का आभार व्यक्त करते हुए इसे किसानों के हित में एक सराहनीय कदम बताया। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन सत्यप्रकाश सैनी, प्रधान जयदेव बंसल, दिनेश गोयल, सतीश मित्तल, संदीप गर्ग सहित अनेक आढ़ती मौजूद रहे।

# मिनर्वा कॉलेज ऑफ एजुकेशन तरावड़ी में शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

**तरावड़ी, 12 अप्रैल ( छाया शर्मा ):** मिनर्वा कॉलेज ऑफ एजुकेशन तरावड़ी में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई। यह संगोष्ठी सतत विकास हेतु शिक्षा, चुनौतियां, रणनीतियां एवं भविष्य की संभावनाएं विषय पर आयोजित की गई, जिसमें देशभर से शिक्षाविदों, शोधार्थियों, शिक्षक-प्रशिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ उद्घाटन सत्र से हुआ, जिसमें वक्ताओं ने शिक्षा को सतत विकास का आधार बताते हुए इसके विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के मुख्य वक्ताओं के रूप में करनाल स्थित तपन विद्यालय एवं तपन पुनर्वास संस्था की निदेशक एवं प्राचार्या डॉ. सुजाता तथा भोपाल के मनोविज्ञान विशेषज्ञ, प्रख्यात लेखक एवं प्रेरक वक्ता डॉ. कुलदीप सरस्वत ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सतत विकास के सिद्धांतों के समावेशन तथा वर्तमान शैक्षिक चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान पर विस्तार से चर्चा की। संगोष्ठी के दौरान प्रतिभागियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अपने शोध-पत्र एवं विचार प्रस्तुत किए, जिससे विषय पर सार्थक संवाद स्थापित हुआ। प्राचार्य डॉ. अश्विनी के मार्गदर्शन व हनी चौधरी एवं पिथी चौधरी के सहयोग से कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इस आयोजन के संयोजक डॉ. गीता शर्मा एवं सह-संयोजक डॉ. सुशीला कुमारी रहीं। आयोजन समिति में मनदीप कौर, रविता चौधरी, डॉ. सुनील कुमार एवं डॉ. मंजू का विशेष योगदान रहा।

## गौसेवा के पुण्य हेतु यथा संभव तूड़ी व अनाज का दान करें किसान : सुभाष सिंगला

**चिडाव,12 अप्रैल ( प्रवीन कुमार ):** श्री कृष्ण गोपाल गौशाला प्रधान सुभाष सिंगला ने निसिंग अनाज मंडी में पहुंच गाय के लिए गौ चारे हेतु क्षेत्रवासी किसानों व आढ़तियों से गौसेवा के पुण्य प्राप्ति हेतु यथा संभव तूडी व अनाज देने की अपील की है। उन्होंने गौ सेवा हेतु किसानों को फसल कटाई के बाद अवशेष जलाने की बजाय उसकी तुडी बनवाकर गौशाला में दान करने के लिऐ प्रेरित किया ,ताकि गौसेवा का पुण्य प्राप्त गोभक्तों को हो सकें। पंडित दीपक शास्त्री ने कहा कि शास्त्रों के अनुसार गौमाता में 36 करोड़ देवी देवता निवास करते है। जिसकी सेवा करने से जीव को दुर्लभ मोक्ष की प्राप्ति होती है। गरूड पुराण में अंकित है कि गौमाता ही जीव को वैतरणी नदी से पार लगा सकती है। अपने श्रीकृष्ण अवतार में स्वयं भगवान ने भी गोकूल में गौमाता की सेवा की थी।

# जिले में गेहूं की खरीद के लिए सभी प्रबंध मुकम्मल-जिला मंडी अधिकारी

फाजिल्का, 12 अप्रैल (बख्शीश सिंह/जसप्रीत सिंह) पंजाब में गेहूं की सरकारी खरीद शुरू हो गई है। इसके साथ ही राज्य के विभिन्न जिलों में खरीद प्रबंधों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। जिला फाजिल्का की मंडियों में भी मंडी बोर्ड, मार्केट कमेटियों और खरीद एजेंसियों द्वारा गेहूं की खरीद के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, ताकि चल रहे खरीद सीजन के दौरान किसानों, मजदूरों और आढ़तियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। यह जानकारी जिला मंडी अधिकारी सलोध बिश्नोई ने दी।जिला मंडी अधिकारी ने बताया कि गेहूं की खरीद को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिला फाजिल्का की चार मुख्य मंडियां—फाजिल्का, जलालाबाद, अबोहर और अरनीवाला—के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों की मंडियों (फोकल प्वाइंट) में भी सभी प्रबंध पूरे कर लिए गए हैं। किसानों की सुविधा के लिए मंडियों में रोशनी, पीने का पानी, सफाई, छाया, शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं।सलोध बिश्नोई ने किसानों से अपील की कि वे गेहूं की कटाई में जल्दबाजी न करें और फसल पूरी तरह पकने के बाद ही मंडी में लाएं, ताकि उन्हें बिक्री में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि सरकारी मानकों के अनुसार ही खरीद की जाएगी, इसलिए किसान अपनी गेहूं अच्छी तरह सुखाकर मंडी में लाएं।उन्होंने बताया कि खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मंडियों में किसानों, मजदूरों और आढ़तियों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी। यदि किसी को कोई परेशानी आती है तो वह सीधे उनसे संपर्क कर सकता है।

## जालंधर में 2 जगहों पर लगी भीषण आग

जालंधर 12 अप्रैल (निस) शहर में 2 अलग-अलग जगहों पर आग लगने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, जालंधर में बीती रात 2 अलग-अलग स्थानों पर आग लगने की घटनाओं से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पहली घटना माई हीरा गेट इलाके में एक स्पोर्ट्स दुकान में हुई, जबकि दूसरी आग लैदर कॉम्प्लेक्स स्थित एक फैक्टरी में लगी। माई हीरा गेट में आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों ने तुरंत दुकान मालिक को खबर दी। दुकान बंद होने के कारण लोगों ने ताला तोड़कर अंदर पहुंचने की कोशिश की और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काफी हद तक काबू पा लिया। बाद में फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आग नियंत्रित हो चुकी थी।फायर ब्रिगेड के अधिकारी के अनुसार, इस घटना की सूचना रात करीब 10:25 बजे मिली थी।

# राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल ने सफाई कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं

संगरूर, 12 अप्रैल (मोहन शर्मा) राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष श्री हरदीप सिंह गिल ने कहा कि आयोग सफाई कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी सुरक्षा तथा समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम सुनिश्चित किए जा रहे हैं। श्री गिल ने यहां जिला प्रशासनिक परिसर में सफाई कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं और डिप्टी कमिश्नर श्री राहुल चाबा तथा विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ बैठक कर सफाई कर्मचारियों के कल्याण संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उपाध्यक्ष ने कार्यकारी अधिकारियों (ई.ओ.) को निर्देश दिए कि सभी सफाई कर्मचारियों का नमस्ते पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें आयोग द्वारा निःशुल्क सफाई किट और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जा सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी कर्मचारियों को पहचान पत्र जारी किए जाएं और उनमें उनका ब्लड ग्रुप अवश्य दर्ज हो। साथ ही, सफाई कर्मचारियों का बीमा भी सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएं तथा उनका पूरा स्वास्थ्य रिकॉर्ड रखा जाए। श्री गिल ने सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से विस्तृत बातचीत की और उनके द्वारा सौंपा गया मांग पत्र भी प्राप्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि आयोग उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने निर्देश दिए कि सफाई कर्मचारियों की वास्तविक संख्या, सामाजिक स्थिति और परिस्थितियों के संबंध में एक माह के भीतर सर्वे पूरा कर रिपोर्ट राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग को भेजी जाए। साथ ही एम.एस. एक्ट 2013 के प्रति जागरूकता के लिए शिविर और कार्यशालाएं आयोजित की जाएं।

पुलिस अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए कि इस अधिनियम के संबंध में सभी थाना प्रभारियों को जागरूक किया जाए और इसके प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उपाध्यक्ष ने निर्देश दिए कि सभी विभागों में सफाई कर्मचारियों के रिक्त पदों को तुरंत प्रभाव से भरा जाए। इसके अलावा सफाई कर्मचारियों के कल्याण और अधिकारों की रक्षा हेतु आयोग के निर्देशानुसार समितियां गठित की जाएं, जिनकी बैठक हर तीन महीने बाद डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता में आयोजित की जाए।

# पंजाब के ट्रक को रंगदारी न देने पर महाराष्ट्र में लगायी आग, चालक का हैरानीजनक खुलासा

मोहाली 12 अप्रैल (निस) पंजाब के ट्रक को महाराष्ट्र में आग लगाने की घटना सामने आई है। इस दौरान ट्रक में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। ट्रक ड्राइवर जगतार सिंह निवासी संगरूर ने बताया कि वह 10 अप्रैल को वह पूना से बठिंडा आ रहा था। इस दौरान उसकी ट्रक में आर्मी सीएसडी का सामान रखा हुआ था। ड्राइवर ने बताया कि इस दौरान उसे पुलिस ने रोका और कहा कि, तुम नो एंट्री में घुस रहे हो। इस पर ड्राइवर ने पुलिस वाले से कहा कि आप को सिर्फ पंजाब की गाड़ी को रोक रहे हो बाकी सभी गाड़ियां यहां से निकल रही हैं। इसके बाद पुलिस वाला इस रास्ते से जाने के 30 हजार रुपए चालान के मांगने लगा। ड्राइवर ने उन्हें बार-बार कहा कि, इसमें आर्मी का सामान है मेरा कोई अपना सामान नहीं है। इसके बाद पुलिस वाले मामले को रफा-दफा करने के लिए 5 हजार रुपए मांगने लगे। जब ड्राइवर ने पैसे देने से मन कर दिया तो उन्होंने सड़क के तरफ ले जाकर उसे थप्पड़ मारे। यही नहीं एक पुलिस वाले ने तो सिगरेट पीते-पीते ट्रके के डीजल टैंक में आग लगा दी। इस दौरान भड़की आग ने ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद पुलिस वाले वहां भाग निकले।

ट्रक ड्राइवर ने आरोप लगाए हैं कि महाराष्ट्र की पुलिस दूसरे राज्यों से आने वाली गाड़ियों को बिना पैसे आगे नहीं जाने देती। इस घटना की सूचना

## राहुल का भाजपा व संघ पर प्रहार....

**पृष्ठ एक का शेष** ... फैलाना अनिवार्य है ताकि आम नागरिक के अधिकार सुरक्षित रह सकें। कांग्रेस ने इस कार्यक्रम की सफलता को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी जानकारी साझा की, जिसमें बताया गया कि यह मैराथन युवाओं के बीच संवैधानिक मूल्यों को स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस मैराथन में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लेकर बाबा साहेब के विजन और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी एकजुटता प्रदर्शित की।

**वार्ता विफल...पृष्ठ एक का शेष** ...कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुचारू बनाने के लिए इस विवादित जलमार्ग में एक संयुक्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। पाकिस्तान की इस रूपरेखा का उद्देश्य क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करना है। अब देखना यह होगा कि क्या भविष्य में दोनों देश इस प्रस्ताव पर विचार करते हैं या तनाव की स्थिति बरकरार रहती है।

## .....21 घंटे में दशकों की दुश्मनी खत्म नहीं हो सकती

इस्लामाबाद में हुई अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गई। वार्ता विफल होने के बाद अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञों ने माना कि दशकों पुरानी दुश्मनी को कुछ घंटों की बातचीत में सुलझाना संभव नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से चला आ रहा तनाव, अविश्वास और रणनीतिक मतभेद इस बातचीत की सबसे बड़ी बाधा रहे।

# संक्षिप्त समाचार

## किसान को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाला एक आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे, 4 फरार

अबोहर/फाजिल्का 12 अप्रैल (निस) किसान को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में पुलिस ने सख्त एक्शन लिया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू कर लिया है। नगर थाना 2 के प्रभारी दविंद्र सिंह, सब इंस्पेक्टर बलविंद्र सिंह, एएसआई विनोद कुमार ने किसान के साथ धोखाधड़ी करने व आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में बलविंद्र सिंह पुत्र जोगिंद्र सिंह निवासी काला टिब्बा को काबू किया है। आरोपी को न्यायाधीश डयूटी मैजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया जहां से उसे 2 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। थाना प्रभारी दविंद्र सिंह ने बताया कि इस मामले में 4 आरोपी फरार हैं, जिन्हें जल्द काबू किया जाएगा। पुलिस ने मृतक रणजीत सिंह की पत्नी कुलदीप कौर निवास झोरडखेड़ा हालाबाद कैलाश नगर के बयानों के आधार पर मुकदमा नं. 59, 10.4.26 धारा 318 (4), 108, 161(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया था। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने आरोपी बलविंद्र सिंह पुत्र जोगिंद्र सिंह निवासी काला टिब्बा, राजवंत सिंह पुत्र जोगिंद्र सिंह निवासी काला टिब्बा, गुरजीत सिंह डीलर निवासी रिद्धी सिद्धी कालोनी, काला बराड़, शमशेर सिंह उर्फ शेरा निवासी गुरु कृपा नगर के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जिनमें से बलविंद्र सिंह को काबू कर लिया है।

## बिजली बिलों को लेकर पड़ गया पंगा, पावरकॉम के फैसले ने बढ़ाई चिंता

मलोट 12 अप्रैल (निस) पावरकॉम विभाग चार महीनों के संयुक्त बिलों को इकट्ठा करने की आड़ में आम लोगों और विशेष रूप से शहर के मध्यम वर्ग के दुकानदारों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बोझ डाल रहा है। इस कारण सरकार का 600 यूनिट की छूट का गणित भी गड़बड़ा गया है और कई लोगों को इसका शिकार होना पड़ा है। दूसरी ओर उपभोक्ताओं ने सरकार पर मीटर की रीडिंग के बिना ही अंदाजे से यूनिट लिखने का आरोप लगाया है। इसे लेकर लोगों में भारी रोष है। इस संबंध में, ब्लॉक कांग्रेस मलोट के अध्यक्ष शिव कुमार शिवा ने कहा है कि इस बार पंजाब सरकार के बिजली विभाग की लापरवाही के कारण उपभोक्ताओं और दुकानदारों को बहुत नुकसान हुआ है और उन्हें बहुत ही अवैध और ऊंचे बिजली बिल मिले हैं। इस संबंध में रॉकी कुमार पुत्र ओम प्रकाश मिड्ढा सहित अन्य उपभोक्ताओं ने कहा कि ऐसा लगता है कि बिजली विभाग ने इन बिलों को उपभोक्ताओं को लगभग चार महीनों का अनुमान लगाकर भेजा है। इससे यह भी स्पष्ट नहीं है कि सरकार ने यूनिटों के अलग-अलग स्लैब बनाए हैं या बिजली की दरों का रेट स्पष्ट नहीं है।

## नए डीसी ने संभाला पदभार, शहर के विकास को लेकर किए ऐलान

जालंधर 12 अप्रैल (निस) जिले के नए डिप्टी कमिश्नर (डीसी) वरजीत वालिया ने आज अपना कार्यभार संभाल लिया। पद संभालते ही उन्होंने जालंधर के विकास और लोगों तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाने को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं।मीडिया से बातचीत के दौरान डीसी वरजीत वालिया ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य जालंधर की तरक्की को आगे बढ़ाना और पंजाब सरकार की सभी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाना होगा। उन्होंने कहा कि शहर में मौजूद विभिन्न समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा।

**पूरी लगन और ईमानदारी से करेंगे जिले की सेवा**

डीसी ने यह भी कहा कि जालंधर मीडिया, खेल और अन्य गतिविधियों का प्रमुख हब है, जिसे और बेहतर बनाने के लिए वह पूरी मेहनत से काम करेंगे। उन्होंने बताया कि वह पहले भी कोरोना काल के दौरान जालंधर में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अब दोबारा मौका मिलने पर वह पूरी लगन और ईमानदारी से जिले की सेवा करेंगे।

इन्द्रप्रीत कौर दर्दी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक भारत देश हमारा ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्रा. लिमि. पटियाला के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब, सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह से छपवाकर कार्यालय भारत देश हमारा गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, पुरानी प्रेस रोड, पटियाला से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985